



नवरात्र  
नौवां  
दिन  
माता  
सिद्धिदात्री

दैनिक

छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

vishwakesari.com



@vishwakesariTV

@vishwakesari

vishwa kesari official

@VishwaKesari

# विश्व केसरी

सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल जापान में एशियन पैरा गेम्स 2026 का आगाज...

@ विचार सामाजिक सुरक्षा का कवच और समावेशी विकास का उजाला...

@ व्यापार सोना इस हफ्ते तीन हजार और चांदी दस हजार...

## जिनके दिलों में नफरत उनकी वजह से जल रहा फ्रांस: ट्रंप

### उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी इसके लिए प्रवासियों को जिम्मेदार ठहराया था

**एजेंसी ■ वाशिंगटन/ पेरिस**  
अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्रांस में हुई हिंसा के लिए दिलों में नफरत लेकर चल रहे लोगों को जिम्मेदार ठहराया है। रविवार को उन्होंने टुथ सोशल पर लिखा कि 'फ्रांस जल रहा है और इसकी वजह दूसरे देश से आए लोग हैं।' उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, 'फ्रांस जल रहा है! बिल्कुल अलग दुनिया से आए लोग जिनके दिलों में नफरत भरी है उनकी वजह से कभी महान रहा देश पूरी तरह बर्बाद हो गया है। इससे पहले की बहुत देर हो जाए, अपनी सीमाएं बंद करें और इसका नियंत्रण अपने हाथों में लें।' इससे पहले उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी इसके लिए प्रवासियों को इसका जिम्मेदार ठहराया था। वेंस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा, 'पश्चिमी उदारवादियों ने विविधता



और करुणा के नाम पर फ्रांस और दूसरे देशों में 'तीसरी दुनिया' को अपने यहां जगह दी। इन नीतियों के संभावित परिणामों को लेकर पहले भी चेतावनी दी गई थी, लेकिन

संबंधित नेताओं ने उन पर ध्यान नहीं दिया।' उन्होंने फ्रांस को एक खूबसूरत देश और वहां के लोगों को अद्भुत बताते हुए उम्मीद जताई कि देश इस

स्थिति को रोकने के लिए कदम उठाएगा ताकि उसके और ऐतिहासिक स्थलों को आग से नुकसान न पहुंचे। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने इस

मुद्दे को अमेरिकी राजनीति से भी जोड़ा। उन्होंने अमेरिकी नागरिकों से फ्रांस की घटनाओं पर ध्यान देने की अपील करते हुए आरोप लगाया कि 'अमेरिकी कांग्रेस के डेमोक्रेटिक सांसद भी अपने देश को इसी दिशा में ले जाना चाहते हैं।' बता दें, शनिवार को फ्रांस के कई शहरों में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पें हुईं। हिंसक गुटों ने सरकारी इमारतों को निशाना बनाया, दुकानों में लूटपाट की और पुलिस वाहनों पर हमले किए। लिमोज शहर के 143 साल पुराने ऐतिहासिक सिटी हॉल को आग के हवाले कर दिया गया, जबकि मार्सेई में प्रदर्शनकारियों ने सिटी हॉल में प्रवेश कर इमारत पर नारे लिख दिए। लियोन में पर्यटन कार्यालय को भी आग के हवाले कर दिया गया। फ्रांस के गृह मंत्रालय के अनुसार, पेरिस में 855 लोगों को

गिरफ्तार किया गया। देशभर में हुई गिरफ्तारियों की संख्या करीब 1,800 रही। अधिकारियों ने बताया कि पेरिस में प्रदर्शन के दौरान एक व्यक्ति की हृदयाघात से मौत हो गई। देशभर के करीब पांच लाख लोगों ने इन प्रदर्शनों में हिस्सा लिया। अधिकांश प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे, लेकिन कुछ स्थानों पर हिंसक समूहों ने सार्वजनिक संपत्ति और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया। प्रदर्शनों की शुरुआत पिछले महीने कामकाजी वर्ग के इलाकों में स्कूलों की खराब स्थिति और शिक्षकों की कमी के खिलाफ छात्र आंदोलन से हुई थी। बाद में यह आंदोलन महंगाई, असमानता, सार्वजनिक खर्च में कटौती और सरकारी सेवाओं की गिरती गुणवत्ता के खिलाफ व्यापक विरोध में बदल गया।

## वोटों की चोरी करके संविधान पर हमला हुआ है: राहुल गांधी



**एजेंसी ■ मारगांव**  
कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गोवा में कांग्रेस की 28 दिवसीय 'सेव गोवा' यात्रा के समापन समारोह में आयोजित रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में वोटों की चोरी की जा रही है और इसके लिए तीनों नेता जिम्मेदार हैं। राहुल गांधी ने कहा कि ज्ञानेश कुमार वोटों की चोरी को लागू करते हैं, गृह मंत्री अमित शाह इसे अंजाम देने की व्यवस्था करते हैं और पीएम मोदी पर्दे के पीछे से पूरी योजना तैयार करते हैं। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस पार्टी इन लोगों को जवाबदेह ठहराएगी और उनके खिलाफ न्याय सुनिश्चित करेगी। राहुल गांधी ने अपने खिलाफ दर्ज मानहानि के मामलों

का जिक्र करते हुए कहा कि उनके खिलाफ 45 से अधिक मानहानि के मामले दर्ज हैं, जिनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री शाह से जुड़े मामले भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि वह हर मंच से यह आरोप लगाते हैं कि पीएम मोदी वोटों की चोरी करते हैं, लेकिन इस दावे को लेकर उनके खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, क्या आप जानते हैं कि ऐसा क्यों है? क्योंकि उन्हें डर है कि अगर वोटों की चोरी को लेकर विशेष रूप से कोई मामला दर्ज किया गया, तो पूरी कानूनी प्रक्रिया शुरू हो जाएगी और वे खुद भी उसमें उलझ जाएंगे। कांग्रेस नेता ने कहा कि पार्टी संविधान की संरक्षक है और उसकी रक्षा करना उनका कर्तव्य है। उन्होंने आरोप लगाया कि वोटों की चोरी करके संविधान पर हमला किया गया है।

## मणिपुर में फिर से अशांति: 15 घर जलाए गए, गोलीबारी में 1 की मौत

**एजेंसी ■ इंफाल**  
मणिपुर के कामजोंग जिले के एक पहाड़ी गांव में कुकी समुदाय के कम से कम 15 घरों में आग लगा दी गई। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि इसके चलते बड़ी संख्या में नागरिकों को घर छोड़कर जंगलों और पास के सेना शिविर में शरण लेनी पड़ी।

उन्होंने बताया कि संदिग्ध उग्रवादियों ने शनिवार देर रात चस्साद गांव पर हमला किया और घरों में आग लगा दी। इससे पहले दिन में संदिग्ध उग्रवादियों ने गांव पर हमला किया था, जिसमें एक कुकी नागरिक की मौत हो गई और चार अन्य को गोली लगी। पुलिस ने कहा कि



स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए असम राइफल्स, सीमा सुरक्षा बल और कामजोंग पुलिस की संयुक्त टुकड़ी प्रभावित इलाके में तैनात की गई है। पमुख्यमंत्री नेमचा किपगेन ने चस्साद में हुई हिंसा की निंदा की। उन्होंने कुकी नागरिक की मौत पर दुख जताया और घायल ग्राम

नेताओं तथा विस्थापित परिवारों को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने घरों को जलाने को असहनीय अपराध भी बताया। एक अन्य घटना में शनिवार रात कामजोंग जिला मुख्यालय में दूसरे समुदाय से जुड़े प्रतिद्वंद्वी समूह गुटों ने गांव पर हमला किया।

## कोलकाता भगदड़ में होम गार्ड की भूमिका पर उठे सवाल, 7 आरोपियों को 10 दिन की न्यायिक हिरासत



**एजेंसी ■ कोलकाता**  
कोलकाता के चोरबागान सार्वजनिक दुर्गापूजा पंडाल में शनिवार शाम को हुई भगदड़ की घटना में पुलिस ने सात लोगों को गिरफ्तार कर 10 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इनमें पूजा कमेटी के सचिव व उपाध्यक्ष, एक निजी सुरक्षा एजेंसी के दो अधिकारी व अन्य शामिल हैं। पुलिस ने पूजा आयोजकों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है। पुलिस को इस कार्रवाई से पूजा आयोजन को सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े

हो गए हैं। कोलकाता पुलिस की प्रारंभिक जांच में भीड़ नियंत्रण में गंभीर खामियों, पर्याप्त सुरक्षा कर्मियों की कमी और प्रवेश-निकास के संकरे रास्तों की बात सामने आई है। घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान भी जांच का हिस्सा हैं। इस दर्दनाक हादसे में अब तक 19 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 25 लोग घायल हैं और उनका उपचार चल रहा है। पुलिस ने घटनास्थल की परिस्थितियों, पंडाल के प्रवेश और निकास मार्गों, भीड़ नियंत्रण तथा सुरक्षा इंतजामों की जांच शुरू की

है। आयोजकों की भूमिका भी जांच के दायरे में है।  
**कैसे बिगड़ी पंडाल की सुरक्षा व्यवस्था ?**  
पुलिस इस बात की पड़ताल कर रही है कि पंडाल में भीड़ का दबाव बढ़ने के बावजूद उसे नियंत्रित करने के लिए क्या कदम उठाए गए थे। साथ ही, यह भी जांच की जा रही है कि आपात स्थिति में लोगों को सुरक्षित बाहर कैसे निकाला जा सकता था। जांच के निष्कर्षों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने भगदड़ की परिस्थितियों और उसके कारणों की जांच के लिए एक तथ्य-जांच टीम गठित करने की भी घोषणा की। टीम घटना से जुड़ी परिस्थितियों की पड़ताल करेगी, ताकि हादसे के कारणों का पता लगाया जा सके और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाए जा सकें। घटनास्थल का मुआयना करने के बाद सीएम ने कहा कि पंडाल के भीतर नहीं बल्कि निकासी गेट के निकट घटना हुई है।

## ग्वालियर में ट्रक ने 41 श्रद्धालुओं को कुचला, 15 मौतें:26 घायल

**एजेंसी ■ ग्वालियर**  
ग्वालियर में शनिवार देर रात तेज रफ्तार ट्रक ने 41 श्रद्धालुओं को कुचल दिया। हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई। दो पुलिसकर्मी समेत 26 लोग घायल हैं। हादसा देर रात करीब 1:30 बजे चीनौर रोड पर ढलान के पास हुआ। सभी श्रद्धालु शीतला माता मंदिर में दर्शन के लिए सड़क किनारे लाइन में लगे थे। तभी चीनौर की ओर से आ रहा धान से भरा ट्रक करीब 90 डिग्री के ढलान पर बेकाबू हो गया। ड्राइवर गूगल मैप की मदद से ट्रक चला रहा था। ढलान पर ट्रक पुलिस चेकपोस्ट तोड़ते हुए लोगों को कुचलकर मंदिर की बाहरी दीवार और गेट से जा टकराया। इससे मंदिर की दीवार



बह गई। कई लोग मलबे में दब गए। घायलों को जयारोग्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद परिजन ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। पुलिस ने ट्रक ड्राइवर और ट्रक मालिक को

गिरफ्तार कर लिया है। ड्राइवर ने पुलिस को बताया कि ट्रक का ब्रेक फेल हो गया था। सरकार ने सिटी एसपी को हटा दिया है। 8 अफसर-पुलिसकर्मियों को भी सस्पेंड किया गया है। इनमें चार टीआई हैं। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य



सिंधिया ग्वालियर ट्रॉमा सेंटर पहुंचे। उनके आने पर सेंटर के बाहर ग्रीन कारपेट बिछाया गया था। इसे देखकर सिंधिया ने नाराजगी जताई और कहा, मेरे लिए काहे का ग्रीन कारपेट? ये गलत है। मैं ग्वालियर का हूँ, ग्वालियर मेरा है।

### खबर झरोखा

पंजाब में मनरेगा के नौ मजदूरों की मौत



**संगरूर।** पंजाब के संगरूर स्थित लहरागाणा-जाखल मार्ग पर रविवार को एक भीषण सड़क हादसे में नौ मनरेगा मजदूरों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दर्दनाक घटना लहरा के गांव अलीशर और चोटियां के नजदीक हुई। जानकारी के मुताबिक, घटना के वक्त करीब 23 महिला और पुरुष मजदूर सड़क निर्माण कार्य में जुटे हुए थे। इसी दौरान एक अनियंत्रित और बेहद तेज रफ्तार कार ने वहां काम कर रहे मजदूरों को कुचल दिया।

## भिलाई इस्पात संयंत्र को बेचने की योजना संबंधी खबरें असत्य एवं भ्रामक



**संवाददाता ■ रायपुर**  
भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) ने सोशल मीडिया तथा कुछ प्रिंट मीडिया प्रकाशनों में भिलाई इस्पात

संयंत्र को बेचने की योजना के संबंध में प्रसारित हो रही खबरों को असत्य एवं भ्रामक बताया है। इस्पात मंत्रालय ने अपने

आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से इन दावों का खंडन किया है। साथ ही, प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) की फेक्ट चेक इकाई ने भी इन खबरों को झूठ और निराधार बताया है। भिलाई इस्पात संयंत्र ने अपने कर्मचारियों, हितधारकों तथा छत्तीसगढ़ की जनता से अपील की है कि वे ऐसी अपुष्ट सूचनाओं पर विश्वास न करें और न ही उन्हें आगे प्रसारित करें। सभी से अनुरोध है कि सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों पर किसी भी जानकारी को साझा करने से पहले आधिकारिक एवं प्रमाणित स्रोतों से उसकी पुष्टि अवश्य करें।

**जगदलपुर ■ अर्जुन कुमार झा**

बस्तर संभाग के मुख्यालय जगदलपुर के लालबाग मैदान में आज स्वदेशी मेले का भव्य शुभारंभ हुआ। 18 से 25 अक्टूबर तक आयोजित इस मेले में देश के 23 राज्यों के विभिन्न स्वदेशी उत्पादों एवं पारंपरिक वस्तुओं की प्रदर्शनी और बिक्री होगी। मेले का उद्देश्य स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहित करना, स्थानीय व्यापार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देना और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना है।  
**स्वदेशी को अपनी दिनचर्या में शामिल करें — केदार कश्यप**  
कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि स्वदेशी केवल एक विचार नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का माध्यम है। हमें स्वदेशी उत्पादों को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। जब हम देश में बने उत्पादों को प्राथमिकता देंगे, तब



स्थानीय कारीगरों, छोटे व्यापारियों और उद्यमियों को प्रोत्साहन मिलेगा तथा रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।  
**वर्तमान परिवेश में स्वदेशी अपनाना**

**आवश्यक — किरण सिंह देव**  
भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिवेश में स्वदेशी अपनाना अत्यंत

आवश्यक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का सपना है— 'स्वदेशी देश हो अपना।' स्वदेशी उत्पादों को अपनाकर हम देश की आर्थिक मजबूती, स्थानीय उद्योगों के विकास और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। स्वदेशी की भावना को प्रत्येक नागरिक को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए।  
**विकसित भारत 2047 की दिशा में बढ़ रहा देश — महेश कश्यप**  
बस्तर सांसद महेश कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के साथ स्वावलंबन की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्वदेशी उत्पाद देश की आर्थिक आत्मनिर्भरता की मजबूत नींव हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर की पहचान और यहां की प्रतिभा को दिल्ली तक पहुंचाने में स्वदेशी मेले जैसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका है।



# साइबर अपराधों, कार्रवाई के साथ रोकथाम पर रहे जोर- सीएम साय

**विश्व केसरी■**  
**रायपुर।** डिजिटल तकनीक के विस्तार ने आम नागरिकों के जीवन को जितना सुविधाजनक बनाया है, साइबर अपराधों ने उतनी ही नई चुनौतियां भी खड़ी की हैं। मोबाइल बैंकिंग, ऑनलाइन भुगतान, सोशल मीडिया और इंटरनेट आधारित सेवाएं अब शहरों से लेकर गांवों तक दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुकी हैं। इसके साथ ही ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी, फर्जी निवेश, डिजिटल अरेस्ट और व्यक्तिगत जानकारीयों के दुरुपयोग जैसे अपराधों के तरीके भी लगातार बदल रहे हैं। इन परिस्थितियों में साइबर अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई जितनी आवश्यक है, उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण है नागरिकों को पहले से इतना जागरूक बनाना कि वे धोखाधड़ी के प्रयासों को पहचान सकें और अपराध का शिकार होने से बच सकें। छत्तीसगढ़ में साइबर सुरक्षा को लेकर पुलिस



को कार्यप्रणाली में इसी सोच को विशेष महत्व दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन और उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ पुलिस साइबर अपराधों के विरुद्ध कार्रवाई के साथ उनकी रोकथाम के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित कर रही है। इसका उद्देश्य केवल अपराधियों को पकड़ना नहीं, बल्कि नागरिकों को साइबर अपराधों के तौर-तरीकों से परिचित कराकर उन्हें डिजिटल रूप से सुरक्षित और सतर्क बनाना भी है। पुलिस का प्रयास है कि साइबर सुरक्षा की जानकारी समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे, ताकि नागरिक स्वयं अपनी सुरक्षा करने के साथ दूसरों को भी जागरूक

छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा 15 अगस्त से 2 अक्टूबर 2026 तक संचालित सात सप्ताह का विशेष साइबर जागृति अभियान इसी दृष्टिकोण का उदाहरण है। प्रदेश की 34 पुलिस इकाइयों के माध्यम से चलाए गए इस अभियान में 5 लाख से अधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए और 1 करोड़ 70 लाख से अधिक

नागरिकों तक सीधे साइबर सुरक्षा का संदेश पहुंचाया गया। अभियान में 5.5 लाख से अधिक जागरूकता सेल्फी के माध्यम से नागरिकों की सहभागिता भी दर्ज की गई। साइबर अपराधों के नए तरीकों की दी जानकारी

जागरूकता कार्यक्रमों को केवल शहरों और शैक्षणिक संस्थानों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि ग्राम पंचायतों, ग्राम सभाओं, हाट-बाजारों, धार्मिक आयोजनों और सार्वजनिक स्थलों तक पहुंचकर लोगों से सीधा संवाद किया। विद्यार्थियों, महिलाओं, ग्रामीणों, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों को साइबर अपराधों के नए तरीकों की जानकारी दी गई। नकली निवेश योजनाओं और बैंकिंग धोखाधड़ी से बचने के उपाय बताए गए



**विश्व केसरी■**  
**अभनपुर।** दशहरा पर्व के मद्देनजर शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अभनपुर थाना पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। पुलिस ने तीनों अनावेदकों के विरुद्ध भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) की धारा 170, 126 एवं 135(3) के तहत कार्रवाई करते हुए उन्हें अनुविभागीय दंडाधिकारी (SDM) न्यायालय अभनपुर में पेश करने के लिए

रवाना किया। कार्रवाई के तहत रोहन यादव (24 वर्ष), निवासी ग्राम दरी, थाना कुरुद, जिला धमतरी, बिरेन्द्र साहू उर्फ बिरू (24 वर्ष), निवासी हसदा नंबर 02, बजरंग चौक, अभनपुर तथा सिलेन्द्र साहू (28 वर्ष), निवासी वार्ड क्रमांक 06, अभनपुर के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। त्योहार के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा सतर्कता बरती जा रही है।

## गरबा पंडालों में सादे कपड़ों में घूम रही पुलिस, मनचलों की खैर नहीं!

**विश्व केसरी■**  
**रायपुर।** रायपुर में नवरात्रि के दौरान गरबा और डांडिया आयोजनों में महिलाओं की सुरक्षा के लिए पुलिस ने खास तैयारी की है। रायपुर पुलिस कमिश्नरेट ने असामाजिक तत्वों और मनचलों पर नजर रखने के लिए विशेष पिंक पेट्रोल यूनिट को मैदान में उतारा है। महिला पुलिसकर्मी गरबा की ड्रेस में आम लोगों के बीच रहकर संधिगत गतिविधियों पर नजर रखेंगी। पंडाल के अंदर ही पकड़े जाएंगे संधिगत



गरबा और डांडिया का आनंद लेने की अपील की है। पुलिस का कहना है कि किसी भी तरह की छेड़छाड़, संधिगत गतिविधि या अश्रिय घटना होने पर तुरंत सूचना दें। ये नंबर कर लें नोट

गरबा पंडाल या शहर में कहीं भी परेशानी होने पर पिंक पेट्रोल यूनिट के हेल्पलाइन नंबर 9479210932 या आपातकालीन नंबर 112 पर संपर्क किया जा सकता है। पुलिस के मुताबिक, सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी और त्वरित सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। अब गरबा आयोजनों के दौरान पुलिस की यह विशेष व्यवस्था महिलाओं की सुरक्षा और असामाजिक तत्वों पर नियंत्रण के लिहाज से अहम होगी।

## विपक्ष की ओछी हरकतें बताती हैं कि भारत को एक मजबूत नेतृत्व की वर्यो जरूरत है - सांसद कंगना रनौत

**विश्व केसरी■**  
**रायपुर।** अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत छत्तीसगढ़ के रायपुर में शनिवार की रात को 'दोलिडा 2026' में हिस्सा लिया। 'दोलिडा 2026' शहर के सबसे बड़े नवरात्र रास गरबा आयोजनों में से एक है। अभिनेत्री ने रविवार को कोलकाता भगदड़ हादसा, विपक्ष के रिजोमि चेंज बयान और छत्तीसगढ़ दौरे को लेकर बात की। कंगना रनौत ने अष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रायपुर में पहली बार गरबा में शामिल होने का अनुभव बहुत ही शानदार रहा। गुजरात से निकलकर गरबा अब पूरे देश में हो रहा है, जो अच्छी पहल है।



विपक्ष की ओर से सत्ता परिवर्तन (रिजोमि चेंज) को लेकर दिए गए बयानों पर भाजपा सांसद कंगना रनौत ने कहा, 'इस तरह की ओछी हरकतें देश को लगातार यह याद दिलाती हैं कि एक मजबूत नेतृत्व की कितनी जरूरत है। आपने देखा कि कल रात फ्रांस में क्या हुआ, वहां सब कुछ आग के हवाले कर दिया गया।

चोरबगान दुर्गा पूजा पंडाल में मची भगदड़ की घटना पर उन्होंने कहा, 'यह एक बेहद दुखद घटना है, वहां भगदड़ मच गई। यह दिल तोड़ने वाली बात है कि इतने खुशी भरे त्योहार के मौसम में, जब हर तरफ जश्न का माहौल है, तब इतने सारे लोग गहरे दुख में डूब गए हैं। मैं प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। मैं सभी से अपील करती हूं कि वे ऐसी जगहों पर जाने से बचें, जहां भारी भीड़ हो। आगे कई त्योहार आने वाले हैं, दशहरा और दीपावली भी बिल्कुल करीब हैं। वहीं, कंगना रनौत ने इंस्टाग्राम पर फोटोशूट के 'बिहाइंड-द-सींस' (बीटीएस) पल साझा किए हैं।

## भिलाई इस्पात संयंत्र की बिक्री को लेकर कांग्रेस का दुष्प्रचार शर्मनाक

**विश्व केसरी■**  
**रायपुर।** भारतीय जनता पार्टी की राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने भिलाई इस्पात संयंत्र की बिक्री को लेकर कांग्रेस नेताओं द्वारा फैलाए जा रहे दुष्प्रचार पर कड़ा एतराज जताते हुए भिलाई स्टील प्लांट को निजी हाथों अथवा अडानी समूह को बेचे जाने की बातों को पूरी तरह मनगढ़ंत, भ्रामक और सफेद झूठ बताया है। यदि कांग्रेस नेताओं में जरा भी सच्चाई है, तो वे अनर्गल प्रमाण करने के बजाय जनता के सामने इसके ठोस तथ्य और प्रमाण पेश करें अन्यथा अपने इस सफेद झूठ के लिए बिना शर्त माफी मांगें। भाजपा सांसद वर्मा ने कहा कि भिलाई स्टील प्लांट केवल एक औद्योगिक प्रतिष्ठान नहीं, बल्कि भिलाई सहित समूचे छत्तीसगढ़ के मान-सम्मान, अस्मिता और लाखों श्रमिकों के पसोने की पहचान है।

## विधायक सुनील सोनी ने खेल प्रतिभाओं को बांटे पुरस्कार



**रायपुर।** विधायक सुनील सोनी रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के प्रो.जे.एन. पाण्डेय स्कूल में आयोजित राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता रायपुर के समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण के कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने सभी को संबोधित कर इस सफल आयोजन के लिए हार्दिक बधाई दी तथा विजेताओं को सम्मानित किए। इस प्रकार के आयोजन खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, समस्त प्रतिभाओं को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

## अर्बन चैलेंज फंड पर 21 अक्टूबर को कार्यशाला

**विश्व केसरी■**  
**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में शहरी विकास, निवेश और अधोसंरचना के नए अवसरों पर मंथन के लिए 21 अक्टूबर को अर्बन चैलेंज फंड (CF) पर क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की जा रही है। राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग और हुडको द्वारा नवा रायपुर के एक निजी होटल में यह कार्यशाला आयोजित है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय कार्यशाला का शुभारंभ करेंगे। केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू और उप मुख्यमंत्री अरुण साव विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यशाला में शामिल होंगे। अर्बन चैलेंज फंड (rban Challenge Fund) और अर्बन इन्वेस्ट विंडो (rban Invest Window) पर केंद्रित इस कार्यशाला में नीति निर्माता, विशेषज्ञ



और वरिष्ठ अधिकारी नगरीय निकायों में अधोसंरचना विकास, निवेश आकर्षित करने, परियोजनाओं के बेहतर वित्तीय प्रबंधन, नवाचार आधारित विकास मॉडल अपनाने और शहरों के सुनियोजित विस्तार पर विमर्श करेंगे। इससे राज्य के शहरों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने, शहरी अर्थव्यवस्था को गति

## बस में मिला युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस



**विश्व केसरी■**  
**रायपुर।** छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के भाठागांव बस स्टैंड से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां एक कंडक्टर ने फांसी लगा ली है। बताया जा रहा है कि कंडक्टर ने बस के अंदर फांसी लगाई हैं। घटना को लेकर पूरे बस स्टैंड में हड़कंप मच गया है। मिली जानकारी के अनुसार, मामला टिकरापारा थाना क्षेत्र का है, दरअसल, यहां भाठागांव बस स्टैंड में बस के अंदर एक व्यक्ति का शव मिला। देखते ही देखते पूरे बस

स्टैंड में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि युवक बस में ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। जांच में जुटी पुलिस घटना के बाद इसकी सूचना टिकरापारा पुलिस को दी गई। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दी। मृतक की पहचान बालाघाट के बरवेली गांव के रूप में हुई है। हालांकि युवक किस वजह से फांसी लगाई है, इसका कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है।

## उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने वनांचल के ग्रामों में लगाई चौपाल



**विश्व केसरी■**  
**रायपुर।** उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने आज कबीरधाम जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्रों का दौरा कर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। उन्होंने ग्राम अंधरीकछार, बोरिया और महली में ग्रामीणों के बीच जमीन पर बैठकर चौपाल लगाई और उनकी समस्याएं, मांगें एवं शिकायतें सुनीं। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की आवश्यकताओं के अनुरूप सड़क, पुलिया, सामुदायिक भवन, मंच और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए विभिन्न विकास कार्यों की घोषणाएं कीं। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को ग्रामीणों से प्राप्त शिकायतों की जांच कर समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार और पात्र हितग्राहियों तक शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। अपने दौरे में उप मुख्यमंत्री शर्मा ने ग्राम अंधरीकछार में 2.60 लाख रुपए की लागत से सीसी सड़क निर्माण, 2.60 लाख

रुपए की लागत से धरसा मार्ग, महामाया मंदिर के लिए 5 लाख रुपए, 3 लाख रुपए की लागत से सौरी सड़क निर्माण तथा समतलीकरण कार्य के लिए 1 लाख रुपए की घोषणा की। इसी प्रकार ग्राम बोरिया में 10 लाख रुपए की लागत से खाद गोदाम, 5.20 लाख रुपए की लागत से सीसी सड़क, महादेव मंदिर में 3 लाख रुपए की लागत से मंच तथा प्राथमिक शाला भवन के

पास 2.60 लाख रुपए की लागत से सीसी सड़क निर्माण की घोषणा की। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने ग्राम कापा में 6 लाख रुपए की लागत से सीसी सड़क निर्माण की घोषणा की। वहीं ग्राम सिरमी में 6.50 लाख रुपए की लागत से सामुदायिक भवन एवं 5.20 लाख रुपए की लागत से सीसी सड़क निर्माण की घोषणा की। ग्राम महली में 2.50 लाख रुपए की

लागत से मंच निर्माण, बूढ़ा देव के पास 10 लाख रुपए की लागत से सामुदायिक भवन, निवेश और अधोसंरचना के नए अवसरों पर मंथन के लिए 21 अक्टूबर को अर्बन चैलेंज फंड (CF) पर क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की जा रही है। राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग और हुडको द्वारा नवा रायपुर के एक निजी होटल में यह कार्यशाला आयोजित है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय कार्यशाला का शुभारंभ करेंगे। केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू और उप मुख्यमंत्री अरुण साव विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यशाला में शामिल होंगे। अर्बन चैलेंज फंड (rban Challenge Fund) और अर्बन इन्वेस्ट विंडो (rban Invest Window) पर केंद्रित इस कार्यशाला में नीति निर्माता, विशेषज्ञ

देने, निवेश-अनुकूल माहौल तैयार करने और दीर्घकालिक विकास की ठोस रणनीति बनाने में मदद मिलेगी। हुडको के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक संजय कुलश्रेष्ठ कार्यशाला में उद्घाटन संबोधन देंगे, जबकि नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा मुख्य वक्तव्य देंगे। नीति-निर्माताओं, विभागीय नेतृत्व और विशेषज्ञों की मौजूदगी में होने वाली यह क्षेत्रीय कार्यशाला छत्तीसगढ़ के शहरों को अधिक सक्षम, आधुनिक और निवेश-आधारित विकास मॉडल की ओर बढ़ाने में उपयोगी साबित होगी। यह कार्यशाला प्रदेश में शहरी विकास की भावी रूपरेखा तय करने के साथ-साथ समावेशी और सतत विकास के नए अवसर खोलने में भी मददगार होगी।



# अंतागढ़ को जिला बनाने की मांग को मिला व्यापारी संघ और पिछड़ा वर्ग समाज का समर्थन

## 14वें दिन भी जारी रहा अनिश्चितकालीन धरना

विश्व केसरी■

अंतागढ़ ( डम्पी खान )। अंतागढ़ को जिला बनाने की मांग को लेकर क्षेत्रवासियों द्वारा किया जा रहा अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन लगातार जारी है। जिला बनाने की मांग को लेकर चल रहे इस आंदोलन को अब विभिन्न सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों का भी समर्थन मिलने लगा है। इसी कड़ी में धरना-प्रदर्शन के 14वें दिन व्यापारी संघ और पिछड़ा वर्ग समाज के प्रतिनिधि आंदोलन स्थल पर पहुंचे और अंतागढ़ को जिला बनाने की मांग का पुरजोर समर्थन किया।

इस दौरान व्यापारी संघ एवं पिछड़ा वर्ग समाज के लोगों ने आंदोलनकारियों से मुलाकात कर उनकी मांगों के प्रति एकजुटता जाहिर की। उन्होंने कहा कि अंतागढ़ को जिला बनाने की मांग लंबे समय से क्षेत्रवासियों द्वारा उठाई जा रही है। इस जायज मांग के समर्थन में उनका साथ हमेशा से रहा है और आगे भी वे क्षेत्र के विकास एवं जनहित से जुड़े इस मुद्दे पर आंदोलनकारियों के साथ खड़े रहेंगे।

जिला बनने से विकास को मिलेगी नई गति - समर्थन देने पहुंचे प्रतिनिधियों ने



कहा कि अंतागढ़ को जिला बनाए जाने से क्षेत्र के समुचित एवं संतुलित विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। जिला बनने के बाद प्रशासनिक व्यवस्था अधिक सुलभ होने के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार को भी गति मिल सकती है। स्थानीय लोगों को शासकीय कार्यों के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों में जाने की परेशानी से राहत मिलने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि नए जिले के गठन से प्रशासनिक पहुंच मजबूत होगी और शासकीय योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही क्षेत्र में शिक्षा एवं स्वास्थ्य

सेवाओं के विस्तार, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने तथा स्थानीय स्तर पर विकास कार्यों को प्राथमिकता देने की संभावनाएं भी बढ़ेंगी।

**एक दशक से अधिक समय से उठ रही है मांग -** अंतागढ़ को जिला बनाने की मांग कोई नई नहीं है, बल्कि क्षेत्रवासी एक दशक से अधिक समय से इस मांग को उठाते आ रहे हैं। क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों, प्रशासनिक सुविधाओं की आवश्यकता और समुचित विकास की अपेक्षाओं को देखते हुए स्थानीय लोगों द्वारा अंतागढ़ को जिला घोषित करने की मांग की जा रही है। लंबे समय से मांग पूरी नहीं होने के चलते अब क्षेत्रवासियों

### छत्तीसगढ़ आर्म्ड फोर्स में कार्यरत पूर्व सलवा जुड़ूम कर्मियों ने सेवा शर्तों को लेकर लगाई याचिका

विश्व केसरी■

बिलासपुर ( शैलेन्द्र केशरवानी )। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने पूर्व सलवा जुड़ूम कर्मियों से जुड़े एक सेवा मामले की सुनवाई करते हुए छत्तीसगढ़ सरकार को नोटिस जारी किया है। ये वे कर्मी हैं, जिन्हें बाद में छत्तीसगढ़ आर्म्ड पुलिस फोर्स में शामिल किया गया था। याचिका में उनकी सेवा शर्तों, समानता के अधिकार और कथित लंबे समय से चले आ रहे भेदभाव से जुड़े मुद्दे उठाए गए हैं। सलवा जुड़ूम छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में वर्ष 2005 के आसपास शुरू हुआ एक नक्सल-विरोधी अभियान था, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय आदिवासी ग्रामीणों और युवाओं ने भाग लिया। इस अभियान से जुड़े कुछ युवाओं को विशेष पुलिस अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया था।

वर्ष 2011 में सुप्रीम कोर्ट ने SPOs के सशस्त्र नक्सल-विरोधी अभियानों में इस्तेमाल पर रोक लगाई। बाद में सलवा जुड़ूम से जुड़े कुछ कर्मियों को छत्तीसगढ़ आर्म्ड पुलिस फोर्स में शामिल किया गया। वर्तमान सेवा मामला इन्हीं कर्मियों के सेवा अधिकारों और समानता से जुड़े सवालों पर केंद्रित है।

इस मामले में याचिकाकर्ताओं की ओर से सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता फतेश कुमार साहू और छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट अधिवक्ता विद्याभूषण सोनी संयुक्त रूप से पैरवी कर रहे हैं।

## रिगनी के सर्वमंगल मंदिर में 25 साल से हो रही माता की सेवा, अष्टमी पर प्रज्वलित है ज्योत

विश्व केसरी■

रिगनी/खरोद ( नीरज शर्मा )। शारदीय नवरात्रि के आठवें दिन ग्राम पंचायत रिगनी स्थित सर्वमंगल मंदिर में माता की आराधना की जा रही है। मंदिर में माता की ज्योत प्रज्वलित है। नवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालु माता के दर्शन कर पूजा-अर्चना कर रहे हैं। मंदिर में भक्तिमय माहौल बना हुआ है।

सर्वमंगल मंदिर के पुजारी दुलेखर प्रसाद ने बताया कि ग्राम पंचायत रिगनी में पिछले 25 वर्षों से माता की सेवा की जा रही है। ग्रामीणों की आस्था के केंद्र इस मंदिर में नवरात्रि के दौरान माता की विशेष आराधना की जाती है। श्रद्धालु माता के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हैं।

**अष्टमी पर मां महागौरी की पूजा**

नवरात्रि के आठवें दिन मां दुर्गा के आठवें स्वरूप मां महागौरी की पूजा-

अर्चना की जाती है। इस दिन भक्त विधि-विधान से पूजा कर माता से सुख, शांति और समृद्धि का आशीर्वाद मांगते हैं। रिगनी के सर्वमंगल मंदिर में भी नवरात्रि के अवसर पर श्रद्धा और भक्ति का माहौल है।

## जैविक खेती की ओर लौटा बकावंड का वाशी गांव, कर्ज और फसलों में बीमारी से त्रस्त किसानों ने खुद बनाई जैविक खाद और कीटनाशक दवा

विश्व केसरी■

बकावंड ( अर्जुन कुमार झा )। विकासखंड बकावंड अंतर्गत ग्राम पंचायत मोखागांव के आश्रित ग्राम वाशी के किसानों ने एक मिसाल पेश की है। लगातार बढ़ते कर्ज, धरती की घटती उर्वरा शक्ति और फसलों में लगने वाली बीमारियों से परेशान होकर किसानों ने रासायनिक खाद और कीटनाशकों को छोड़कर पूर्ण रूप से जैविक खाद और जैविक कीटनाशक बनाने का निर्णय लिया है।

किसानों का कहना है कि रासायनिक खाद और दवाइयों के लगातार उपयोग से हमारी जमीन की उर्वरा शक्ति धीरे-धीरे खत्म होती जा रही है। खर्चा दिन-ब-दिन बढ़ रहा है। अगर किसान बोआई से लेकर दौनी-मिर्जाई तक का पूरा हिसाब लगाएं, तो हाथ में कुछ भी नहीं बचता, जिससे किसान

कर्ज के जाल में फंस्ता जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि रासायनिक खाद और जहर वाली दवाइयां हम फसल पर छिड़कते हैं और वही जहरीली फसल खाकर हम खुद कई तरह की गंभीर बीमारियों के शिकार हो रहे

हैं। जो पैसा कमाते हैं, वह सारा इलाज में ही चला जाता है।इइसी पीड़ा को समझते हुए वाशी गांव के किसानों ने बैठक कर तय किया कि अब गांव में ही उपलब्ध संसाधनों से जैविक खाद, घनजोमावृत, जोवामृत और

जैविक कीटनाशक बनाया जाएगा। इसमें न कोई खर्च है, न बीमारी का डर। इसमें लगने वाला सारा सामान गोबर, गोमूत्र, नीम पत्ती, राख, गुड़ गांव में ही आसानी से मिल जाता है। ग्रामीणों ने बताया कि जैविक खाद से हमारी खोई हुई उर्वरा शक्ति फिर से लौट आएगी और हम अपनी आने वाली पीढ़ी के लिए जहर मुक्त अनाज और अच्छी सेहत दे पाएंगे।

इस पुनीत कार्य में बीएसएम संस्था के स्टाफ का विशेष सहयोग रहा। संस्था की ओर से ग्रामीणों को जैविक खाद बनाने की विधि का प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान नोटल, रामेश्वर, खिरंद, तुलेश्वर और शांति नाग मुख्य रूप से उपस्थित रहे और किसानों को प्रोत्साहित किया। अब ग्राम वाशी का हर घर जैविक खेती की ओर अग्रसर है और अन्य गांवों के लिए प्रेरणा बन रहा है।

## आदि शक्ति मां सारंगढ़हीन देवी मंदिर नंदौरकला में नवरात्रि की धूम

विश्व केसरी■

सक्ती ( ईश्वर लोधी )। शक्ति जागरण के पर्व नवरात्रि के दरमियान श्रद्धालुजन जगत जननी जगदंबा भवानी की साधना-आराधना के साथ मनोकामना पूर्ति की ओर लेकर जिले के प्राचीन मंदिर मां चंद्रहासिनी (चंद्रपुर), मां अष्टभुजी (अडभार) के साथ अब मां वैष्णो देवी (उल्दा) के दरबार में पदयात्रा करते हुए माथा टेकने पहुंचते हैं जबकि शक्ति नगर से मात्र 7 किलोमीटर की दूरी पर नरवरगढ़ (नंदौर कला) का प्राचीन आदि शक्ति मां सारंगढ़हीन देवी मंदिर आज भी अंचल के लोगों की नजर से ओझल है, यह बात आज मातारानी के दरबार में दर्शन करने पहुंचे राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं सामाजिक न्याय आयोग (विधि) के प्रदेश अध्यक्ष एवं उच्च न्यायालय अधिवक्ता चितरंजय पटेल ने बताते हुए कहा कि नरवरगढ़ (नंदौर कला) की 6-7 वीं के मध्यकाल में तत्कालीन राजा ढोला मारू ने बसाया था तथा जो नरवरगढ़ से अब नंदौरकला के नाम से जाना जाता है तब इस गढ़ की सुरक्षा हेतु चारों ओर खाई थी जो हमेशा जल

से भरा रहता था है पर अब समय बीतने के साथ खाई मात्र 4 फुट ही रह गया है।

इस संबंध में नन्दौर कला निवासी सेवानिवृत्त प्राचार्य रूपनारायण राठौर ने बताया कि गढ़ के बीच में राजा का महल स्थित था एवं महल के चारों ओर सुरक्षा हेतु गहरी खाई थी जो आज नन्दौर कला एवं नन्दौर खुर्द के बीच सीमा रेखा के रूप में दृष्टव्य है।

मां सारंगढ़हीन मंदिर परिसर के विकास के लिए प्रयासरत जनपद पंचायत शक्ति के पूर्व अध्यक्ष राजेश राठौर ने बताया कि भारतीय पुरातत्व विभाग में भी इसका परिचय मिलता है कि गढ़ के पश्चिम दिशा की ओर ऐतिहासिक शिव मंदिर है जिसका

निर्माण छठवीं- सातवीं शताब्दी के मध्य में हुआ था जिसे महासमुंद जिले के सिरपुर मंदिर के समकालीन माना जाता है, उन्होंने आगे बताया कि शक्ति अंचल के इस प्राचीन देवी मंदिर के जीर्णोद्धार 2007 में करवाया गया जो अब भरे भरे वृक्षों से आच्छादित एवं नहर तट पर अवस्थित आदि शक्ति मां सारंगढ़हीन देवी मंदिर अंचल के ग्रामीण क्षेत्र में लोगों के आस्था का केंद्र बना हुआ है जहां इस साल करीब 300 अखंड ज्योति प्रज्वलित किया गया है तथा आचार्य केशरी प्रसाद पांडे के द्वारा नवरात्र पूजन आरती किया जा रहा है तो वहीं 2006 से बैगा दल साय निषाद के साथ राधे केवट एवं श्रीराम कुर्र के द्वारा मंदिर के देख-रेख के साथ माता सेवा की जा रही है तो वहीं नवरात्रि में प्रतिदिन सारंगढ़हीन माता सेवा संस्थान के द्वारा प्रतिदिन भंडारा महाप्रसाद का वितरण किया जा रहा है। विदित हो कि महानवमी -मंगलवार को अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद जिला सक्ती परिवार आदि शक्ति मां सारंगढ़हीन देवी मंदिर परिसर में कन्या पूजन के साथ भोज कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।

## ग्राम पचपेड़ी में विधायक रोहित साहू ने किया निर्माण कार्यों का भूमिपूजन-लोकार्पण

विश्व केसरी■

राजिम ( शेखर मिश्रा )। नवरात्रि के पावन अवसर पर ग्राम पचपेड़ी में धार्मिक आस्था, विकास और शिक्षा के सम्मान का संगम देखने को मिला। राजिम विधायक रोहित साहू जब गांव पहुंचे तो समूचे ग्रामवासियों ने हृदय से उनका स्वागत किया। इस दौरान विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण कर विकास को गति देने का संदेश दिया। उन्होंने ग्रामवासियों को नवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं देते हुए माता रानी से क्षेत्रवासियों के सुख-समृद्धि, खुशहाली और उन्नति की कामना की।

विधायक के ओजस्वी संबोधन ने उपस्थित जनसमुदाय में उत्साह का संचार किया। विधायक रोहित साहू ने कहा कि नवरात्रि पर्व केवल पूजा-अर्चना का पर्व नहीं, बल्कि शक्ति, श्रद्धा और सकारात्मक संकल्प का भी अवसर है। मां दुर्गा से प्रार्थना है कि ग्रामवासियों

के जीवन में सुख-समृद्धि आए, हर परिवार खुशहाल रहे, मानव जीवन का कल्याण हो और हर गांव निरंतर तरक्की के रास्ते पर आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि सम्मानित शिक्षक सुरेश शर्मा का सम्मान प्रार्थमिकताओं में शामिल है। गांवों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार और लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

**शिक्षक सुरेश शर्मा का सम्मान, शिक्षा के प्रति समर्पण को सराहा**

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण ग्राम पचपेड़ी में पदस्थ राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक सुरेश शर्मा का सम्मान हुआ। विधायक रोहित साहू ने उन्हें प्रतीक चिह्न भेंटकर शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षक शर्मा की सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करते हैं।

### रिहायशी इलाके में भालू का विचरण, मनेद्रगढ़ रेंजर की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल!

विश्व केसरी■

**मनेद्रगढ़ ( राजेश उपाध्याय )।** रिहायशी इलाके में भालू के विचरण की खबर से स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। आबादी वाले

क्षेत्र में जंगली भालू की मौजूदगी से लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। ऐसे में वन विभाग की जिम्मेदारी और मैदानी अमले की सक्रियता पर सवाल उठ रहे हैं।

## दुर्गा अष्टमी पर महामाया मंदिर लवन में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

विश्व केसरी■

बलौदाबाजार ( ताराचंद कठोत्रे )। शारदीय नवरात्रि की दुर्गा अष्टमी पर लवन स्थित प्रसिद्ध महामाया मंदिर में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। माता रानी के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। मंदिर में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी और पूरा परिसर माता के जयकारों से गूंज उठा।

दुर्गा अष्टमी के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं ने माता महामाया के दरबार में मत्था टेककर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। भक्त नारियल, चुनरी, फूल-माला और पूजा सामग्री लेकर माता के दर्शन के लिए पहुंचे। नवरात्रि के इस

विशेष दिन पर श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह देखते ही बन रहा था।

**भक्ति और आस्था से सराबोर हुआ मंदिर परिसर -** दुर्गा अष्टमी हिंदू धर्म में विशेष धार्मिक महत्व रखती है। इस दिन मां दुर्गा के महागौरी स्वरूप की पूजा-अर्चना की जाती है। इसी आस्था के साथ लवन महामाया मंदिर में भी भक्तों ने माता की आराधना कर

सुख-शांति और समृद्धि का आशीर्वाद मांगा। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की चहल-पहल और भक्तिमय वातावरण ने नवरात्रि की रौनक को और बढ़ा दिया।

लवन सहित आसपास के क्षेत्रों के श्रद्धालुओं के लिए महामाया मंदिर आस्था का प्रमुख केंद्र है। दुर्गा अष्टमी के अवसर पर यहां उमड़ी भीड़ ने नवरात्रि के प्रति लोगों की गहरी श्रद्धा को दर्शाता है।



## संपादकीय

## संत रविदास: स्मृति, सम्मान और बेगमपुरा के स्वप्न की तलाश



गोलेन्द्र पटेल

‘ऐसा चाहूँ राज मैं, जहाँ मिले सबन को अन।

छोट-बड़ो सब सम बसै, रविदास रहे प्रसन्न॥’

मध्यकालीन संत-कवि रविदास और तुलसीदास की व्यापक सामाजिक-सांस्कृतिक स्वीकार्यता तथा जनमानस पर उनके गहरे प्रभाव से सभी प्रमुख राजनीतिक दल भली-भाँति परिचित हैं और उनकी विरासत के राजनीतिक महत्त्व को समझते हैं। संत शिरोमणि गुरु रविदास समानता, सामाजिक न्याय, श्रम की गरिमा और मानवीय बंधुत्व के महान

प्रवर्तक थे। उनका ‘बेगमपुरा’ ऐसे समाज का स्वप्न है, जहाँ जातिगत भेदभाव, छुआछूत और विषमता के लिए कोई स्थान न हो। वर्ष 2014 से मोदी युग में संत रविदास की स्मृति, विरासत और विचारों को प्रतिष्ठित करने की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण पहलें हुई हैं। वाराणसी के सीर गोवर्धनपुर स्थित उनकी जन्मस्थली के विकास, भव्य प्रतिमा के अनावरण तथा संग्रहालय और पार्क संबंधी योजनाओं ने इस पवित्र स्थल को विशेष पहचान प्रदान की है। मध्य प्रदेश के सागर जिले के बड़तूसा में निर्मित भव्य संत रविदास मंदिर एवं स्मारक परिसर उनकी आध्यात्मिक विरासत और समतामूलक दर्शन को समर्पित उल्लेखनीय पहल है। पंजाब के आदमपुर हवाई अड्डे को गुरु रविदास के नाम से पहचान देने की पहल तथा उनके नाम पर रेल सेवा, डाक सेवा का उल्लेख भी सार्वजनिक जीवन में उनकी स्मृति को प्रतिष्ठित करने के प्रयासों से जुड़ा है। इसी क्रम में ‘श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान 2026’ के माध्यम से उनकी जन्मस्थली की पवित्र मिट्टी से जुड़े कलशों, यात्राओं और सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों द्वारा समानता, सेवा, करुणा, सामाजिक न्याय और भाईचारे का संदेश प्रसारित करने का प्रयास किया गया है। गरीबों, दलितों और वंचितों के कल्याण के लिए संचालित आवास, खाद्य सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक सहायता की योजनाएँ भी उनके समतामूलक आदर्शों के व्यापक संदर्भ में देखी जा सकती हैं। विभिन्न राज्यों में



संत रविदास के नाम से संचालित शिक्षा एवं स्वरोजगार संबंधी योजनाएँ भी सामाजिक उत्थान की भावना को आगे बढ़ाती हैं। इन पहलों के माध्यम से संत रविदास की स्मृति को मंदिरों, स्मारकों, सार्वजनिक संस्थानों और सामाजिक अभियानों से जोड़ने का प्रयास हुआ है। इनका व्यापक उद्देश्य उनकी वाणी को नई पीढ़ी तक पहुँचाना और समरस समाज की भावना को सुदृढ़ करना है। बेगमपुरा का स्वप्न तभी पूर्ण होगा, जब संत रविदास की वाणी समाज के व्यवहार में उतरे, जातिगत भेदभाव समाप्त हो, श्रम को सम्मान मिले और प्रत्येक व्यक्ति को समान अधिकार तथा गरिमा प्राप्त हो। यही संत रविदास के प्रति सच्चा सम्मान और उनकी अमर विरासत का सार है। लेकिन संत रविदास के साहित्य के एक अन्धेरा के नाते मेरे मन में एक गंभीर अकादमिक प्रश्न उठता है—संत रविदास के प्रति सरकार जिस उदारता और सम्मान का परिचय देती है, क्या वही दृष्टि उच्च शिक्षा और शोध की व्यवस्था में भी दिखाई देती है? क्या उनके साहित्य, दर्शन और सामाजिक चिंतन पर पर्याप्त स्वतंत्र एवं मौलिक शोधकार्य को प्रोत्साहित किया जा रहा है? यदि कोई शोधार्थी संत रविदास पर शोध करना चाहे, तो क्या केंद्रीय विश्वविद्यालयों में उसे अपेक्षित अवसर और अकादमिक समर्थन प्राप्त होगा? यह प्रश्न इसलिए भी विचारणीय है कि मैंने काशी हिंदू विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की शोध-सूची का अवलोकन किया है, जिसमें संत रविदास पर कोई स्वतंत्र शोधकार्य मुझे दिखाई नहीं दिया। विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी में स्थित है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संसदीय निर्वाचन क्षेत्र है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि संत रविदास की स्मृति और सम्मान को सार्वजनिक स्तर पर प्रतिष्ठित करने के साथ-साथ उनके साहित्य और विचारों को उच्च शिक्षा एवं शोध की मुख्यधारा में समुचित स्थान देने के लिए क्या पर्याप्त प्रयास हो रहे हैं? संत रविदास के प्रति सम्मान की सार्थकता तभी और व्यापक होगी, जब उनकी वाणी स्मारकों के साथ-साथ विश्वविद्यालयों के शोध-विमर्श में भी प्रतिष्ठित हो।

### कविता

## माता-स्तुति



लतिका भावे

‘लता’

हे वैष्णवी माता,  
पहाड़ों वाली ओ  
माता,  
ऊँचे मंदिरों का  
मारग अब तो चढ़ा न  
जाता,  
किन्तु तुम्हारे दरस

बिना भी अब तो रहा न जाता.

अब तो रहा न जाता.

छौर-छौर वृक्षावली से तू सबको छाया देती

अपनी बाणगंगा से तू भक्तों की प्यास बुझाती

तेरी महिमा जितनी गाऊँ अब तो गाया भी न जाता.

अब तो रहा न जाता.

हे वैष्णवी माता पहाड़ों वाली ओ माता,

गिरते-पड़ते भक्तों पे तू ममता मेह बरसाती

भक्तों को मंदिर पहुँचाने शक्ति वरदान हूँ देती

लो तो तेरे द्वारे पहुँचे आदि कुमारी माता.

अब तो रहा न जाता.

हे वैष्णवी माता पहाड़ों वाली ओ माता,

मध्य बिराजे लक्ष्मी माता, धन वैभव की दानी,

एक ओर है शारदा मैयाँ, दूजी ओर भवानी

तेरे दरशन पाकर जन-जन मनवाँछित फल पाता.

अब तो रहा न जाता.

हे वैष्णवी माता पहाड़ों वाली ओ माता,

जय माता की गुफाओं वाली,

जय माता की पहाड़ों वाली,

जय माता की त्रिकुटा वाली,

जय माता की मुकुटा वाली,

जय माता बाण गंगा वाली,

जय माता की, जय माता की.

मोबा. 9098708135.



ललित गर्ग

किसी राष्ट्र की प्रगति का वास्तविक मूल्यांकन केवल उसकी आर्थिक विकास दर, विशाल औद्योगिक परियोजनाओं, आधुनिक तकनीक, विदेशी निवेश और ऊँची प्रति व्यक्ति आय से नहीं किया जा सकता। विकास की सार्थकता तब सिद्ध होती है, जब समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी जीवन की अनिश्चितताओं से सुरक्षा मिले, श्रमिक को अपने भविष्य के प्रति विश्वास हो, वृद्धावस्था अभाव का पर्याय न बने और बीमारी किसी परिवार को आर्थिक संकट के गत में न धकेल दे। सामाजिक सुरक्षा इसी मानवीय विकास का आधार है। यह केवल सरकारी सहायता की व्यवस्था नहीं, बल्कि नागरिकों के सम्मान, आत्मविश्वास, आर्थिक स्थिरता और सामाजिक न्याय का ऐसा आधारस्तंभ है, जिस पर एक सशक्त एवं समावेशी राष्ट्र का निर्माण होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने पिछले वर्षों में जनकल्याणकारी योजनाओं के विस्तार के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा को व्यापक बनाने की दिशा में अनेक कदम उठाए हैं। इन पहलों ने करोड़ों लोगों को विभिन्न प्रकार की आर्थिक, स्वास्थ्य, खाद्य और सामाजिक सहायता से जोड़ने में भूमिका निभाई है। हालाँकि, बदलती आर्थिक परिस्थितियों और विशाल श्रमबल की आवश्यकताओं को देखते हुए अभी इस दिशा में बहुत

कुछ किया जाना शेष है।

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सामाजिक सुरक्षा का दायरा वर्ष 2015 के 19 प्रतिशत से बढ़कर 64.3 प्रतिशत यानी 94 करोड़ से अधिक नागरिकों तक पहुँच गया है। यह विस्तार बताता है कि सामाजिक संरक्षण अब देश की विकास संबंधी प्राथमिकताओं का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। लेकिन सामाजिक सुरक्षा की सफलता का आकलन केवल लाभार्थियों की संख्या से नहीं होना चाहिए। वास्तविक प्रश्न यह है कि कितने लोगों को आवश्यकता के समय पर्याप्त सहायता मिलती है, कितने परिवार बीमारी और बेरोजगारी के संकट से उबर पाते हैं तथा कितने श्रमिक बुढ़ापे में सम्मानपूर्वक जीवन जीने की स्थिति में हैं। योजनाओं की व्यापकता के साथ उनकी पर्याप्तता, गुणवत्ता और निरंतरता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में सामाजिक सुरक्षा का महत्व इसलिए भी अधिक है, क्योंकि यहां श्रमबल का बड़ा हिस्सा असंगठित क्षेत्र से जुड़ा है। उपलब्ध श्रम संबंधी आंकड़ों के अनुसार, देश के कुल श्रमबल में लगभग 87 प्रतिशत हिस्सेदारी असंगठित क्षेत्र की है। खेतों में काम करने वाले किसान-मजदूर, निर्माण श्रमिक, घरेलू कामगार, रेहड़ी-पटरी वाले, छोटे दुकानदार, दैनिक वेतनभोगी और विभिन्न सेवाओं से जुड़े कामगार देश की अर्थव्यवस्था को गति देते हैं। लेकिन इनमें से बड़ी संख्या के पास नियमित वेतन, भविष्य निधि, पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और दुर्घटना सुरक्षा जैसी सुविधाएँ नहीं हैं। रोजगार मिलने और छिनने के बीच उनका जीवन अक्सर अनिश्चितता से घिरा रहता है। ऐसे में सामाजिक सुरक्षा को केवल संगठित क्षेत्र तक सीमित रखना पर्याप्त

नहीं है। इसकी पहुँच उन हाथों तक भी सुनिश्चित करनी होगी, जो देश की उत्पादन व्यवस्था और सेवा अर्थव्यवस्था को अपने श्रम से संचालित करते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने जनधन खातों, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, आधार आधारित पहचान और डिजिटल सार्वजनिक अवसररचना के माध्यम से सरकारी सहायता को लाभार्थियों तक पहुँचाने के लिए एक व्यापक व्यवस्था विकसित की है। प्रधानमंत्री जनधन योजना ने बैंकिंग सुविधाओं से वंचित लोगों को औपचारिक वित्तीय व्यवस्था से जोड़ने में योगदान दिया है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण ने अनेक योजनाओं में

निभाई है। 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान वय वंदना योजना के माध्यम से स्वास्थ्य कवरेज के दायरे में लाने की पहल ने वृद्धावस्था में चिकित्सा संबंधी चिंताओं को कम करने का प्रयास किया है। फिर भी सार्वजनिक स्वास्थ्य पर व्यय बढ़ाने, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को सशक्त बनाने, ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और दवाओं तथा जाँच की लागत कम करने की आवश्यकता बनी हुई है। गंभीर बीमारी के कारण किसी परिवार की वर्षों की बचत समाप्त हो जाना या उसे कर्ज लेने के लिए विवश होना सामाजिक सुरक्षा



बिचौलियों की भूमिका कम करने और सहायता राशि सीधे लाभार्थियों के खातों तक पहुँचाने का टल जाना, छोटे व्यापकता के लिए एक व्यापक व्यवस्थाओं ने सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के क्रियान्वयन को अधिक पारदर्शी बनाने की संभावनाएँ मजबूत की हैं।

स्वास्थ्य सुरक्षा सामाजिक संरक्षण का सबसे संवेदनशील पक्ष है। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना ने पात्र परिवारों की अस्पताल में भर्ती होकर उपचार कराने के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान वय वंदना योजना के माध्यम से स्वास्थ्य कवरेज के दायरे में लाने की पहल ने वृद्धावस्था में चिकित्सा संबंधी चिंताओं को कम करने का प्रयास किया है। फिर भी सार्वजनिक स्वास्थ्य पर व्यय बढ़ाने, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को सशक्त बनाने, ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और दवाओं तथा जाँच की लागत कम करने की आवश्यकता बनी हुई है। गंभीर बीमारी के कारण किसी परिवार की वर्षों की बचत समाप्त हो जाना या उसे कर्ज लेने के लिए विवश होना सामाजिक सुरक्षा

बिचौलियों की भूमिका कम करने और सहायता राशि सीधे लाभार्थियों के खातों तक पहुँचाने का टल जाना, छोटे व्यापकता के लिए एक व्यापक व्यवस्थाओं ने सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के क्रियान्वयन को अधिक पारदर्शी बनाने की संभावनाएँ मजबूत की हैं।

स्वास्थ्य सुरक्षा सामाजिक संरक्षण का सबसे संवेदनशील पक्ष है। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना ने पात्र परिवारों की अस्पताल में भर्ती होकर उपचार कराने के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान वय वंदना योजना के माध्यम से स्वास्थ्य कवरेज के दायरे में लाने की पहल ने वृद्धावस्था में चिकित्सा संबंधी चिंताओं को कम करने का प्रयास किया है। फिर भी सार्वजनिक स्वास्थ्य पर व्यय बढ़ाने, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को सशक्त बनाने, ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और दवाओं तथा जाँच की लागत कम करने की आवश्यकता बनी हुई है। गंभीर बीमारी के कारण किसी परिवार की वर्षों की बचत समाप्त हो जाना या उसे कर्ज लेने के लिए विवश होना सामाजिक सुरक्षा

सहायता मिलती है। अटल पेंशन योजना असंगठित क्षेत्र के लोगों को वृद्धावस्था में नियमित आय की व्यवस्था से जोड़ने का प्रयास करती है। जीवन ज्योति बीमा और सुरक्षा बीमा योजनाएँ क्रमशः जीवन बीमा तथा दुर्घटना बीमा के माध्यम से परिवारों को संभावित आर्थिक संकट से बचाने में सहायक हैं। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना, जिसे पीएम-पोषण के नाम से जाना जाता है, विद्यालयों में बच्चों को पोषिक भोजन उपलब्ध कराने के माध्यम से पोषण और शिक्षा से जुड़े सामाजिक उद्देश्यों को आगे बढ़ाती है।

श्रमिकों की दीर्घकालिक आर्थिक सुरक्षा की दृष्टि से कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) का दायरा बढ़ाने संबंधी कदम भी महत्वपूर्ण हैं। उपलब्ध कराए गए विवरण के अनुसार, 17 सितंबर 2026 से अनिवार्य सामाजिक सुरक्षा के लिए मासिक वेतन सीमा 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये किए जाने का प्रावधान है। यदि इसका क्रियान्वयन निर्धारित स्वरूप में होता है, तो लगभग 51 लाख अतिरिक्त कर्मचारी अनिवार्य भविष्य निधि व्यवस्था के दायरे में आ सकते हैं। यह बदलाव उन कर्मचारियों के लिए विशेष महत्व रखता है, जिनका वेतन बढ़ने के कारण वे पुरानी सीमा के बाहर रह जाते थे। भविष्य निधि में नियमित अंशदान से सेवानिवृत्ति के लिए बचत का आधार तैयार होता है, जबकि लागू प्रावधानों के अनुसार पेंशन और बीमा संबंधी सुविधाएँ भी परिवार को आर्थिक सहारा प्रदान कर सकती हैं। हालाँकि, इस विस्तार के साथ कर्मचारियों की वर्तमान हाथ में आने वाली आय, नियोजताओं की लागत और छोटे उद्यमों की वित्तीय क्षमता को भी संतुलन बनाना भी आवश्यक होगा।

सामाजिक सुरक्षा के विस्तार में ई-श्रम पोर्टल एक महत्वपूर्ण माध्यम है। इसके साथ ही वृद्धावस्था और विधवा पेंशन की राशि को महंगाई के अनुरूप अधिक पर्याप्त बनाने, सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय बढ़ाने और असंगठित श्रमिकों के लिए योगदान आधारित पेंशन तथा बीमा विकल्पों को सरल एवं सुलभ बनाने पर विशेष ध्यान देना होगा। पंचायतों, नगर निकायों और साझा सेवा केंद्रों को लिए बचत का आधार तैयार होता है, तथा पंजीकरण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। विकसित भारत का स्वप्न तभी साकार होगा, जब आर्थिक विकास के साथ सामाजिक संवेदनशीलता और मानवीय गरिमा भी समान गति से आगे बढ़ें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सामाजिक सुरक्षा का विस्तार होना दायरा इस दिशा में एक महत्वपूर्ण नीतिगत परिवर्तन को रेखांकित करता है।

### बोध कथा

## जीवन का सत्य

एक व्यक्ति आध्यात्मिक ज्ञान की आशा में एक संत के पास पहुँचा। संत ने उसे एक राजा के पास जाने को कहा। वह व्यक्ति राजा के पास पहुँचा। राजा उसे अपने दरबार में ले गया। वहाँ का दृश्य देखकर वह व्यक्ति दंग रह गया। वहाँ नर्तकियाँ नृत्य कर रही थीं। लोग बैठकर मदिरा का सेवन कर रहे थे। वह घबराकर राजा से बोला- महाराज, मैं गलत जगह आ गया हूँ। अब यहाँ मैं एक पल नहीं रुक सकता। मैं तो कुछ जिज्ञासा लेकर आया था पर आप तो स्वयं ही भटकें हुए हो तो मुझे क्या मार्ग दिखाओगे।

राजा ने कहा- मैं भटका हुआ नहीं हूँ। आपने मेरा बाहरी रूप देखा है। आंतरिक देखोगे तो शायद आपकी राय बदल जाएगी। आप एक दिन रुक जाएँ। वह व्यक्ति वह रुक गया। उसे एक शानदार कमरे में ठहराया गया। उसमें काफी गद्देदार बिस्तर लगा था। वह व्यक्ति सक्ुचाता हुआ उस पर सोया। तभी उसकी नजर ऊपर की ओर गई। एक चमचमाती तलवार ठीक उसके सिर पर एक सूत से लटकती थी। अचानक उसके मन में ख्याल आया कि अगर धागा टूट गया तो। वह रात भर इस चिंता में सो नहीं पाया। सुबह राजा खुद उसके कमरे में पहुँचा। उसने पूछा- अच्छी नींद आई न? इस पर उस व्यक्ति ने कहा- खाक नींद आती। आपने तो ऐसी तलवार टांग रखी है कि नींद उड़ गई। रात भर यही सोचता रहा कि अगर यह गिर जाएगी तो क्या होगा। इस पर राजा ने मुस्कराकर कहा- इसी तरह हुआ मैं नहीं हूँ। आपने मेरा बाहरी रूप देखा है। आंतरिक देखोगे तो शायद आपकी राय बदल जाएगी। आप एक दिन रुक जाएँ। वह व्यक्ति वह रुक गया। उसे एक शानदार कमरे में ठहराया गया। उसमें काफी गद्देदार बिस्तर लगा था। वह

### व्यंग्य केसरी

## वायरल पीढ़ी का आनंद लोक



बेबाक बनारसी

पहले के जमाने में नाम रोशन करने के लिए बरसों घिसना पड़ता था, कोई बोर्ड परीक्षा में टॉप करता था, कोई खेल के मैदान में पसीना बहाता था, तो कोई बरसों रियाज के बाद मंच पर पहुँच पाता था। मगर अब हमारी नई पीढ़ी बड़ी व्यावहारिक दृष्ट चुकी है। उसने समय की नब्ब पहचान ली है और समझ लिया है कि जब कीचड़ उछालने से ही लाखों व्यूज मिल सकते हैं, तो गंगा

नहाने की मेहनत कौन करे? ?अब रातों-रात ‘सेलिब्रिटी’ बनने का नुस्खा बड़ा सीधा है, फोन का फ्रंट कैमरा ऑन कीजिए, चेहरे पर जितनी हो सके उतनी बेशर्मा बटोरिए और शब्दकोश के सबसे सड़े हुए हिस्से को अपनी जुबान पर सजा लीजिए। क्या लड़के और क्या लड़कियाँ, इस प्रतियोगिता में बराबरी का ऐसा अद्भुत सामंजस्य देखने को मिलता है कि महिला सशक्तिकरण की आत्मा भी एक काने में बैठकर सिर धुन रही होगी। जो जितने धड़ल्ले से, जितनी गंदी और नई गाली पूरे आत्मविश्वास के साथ कैमरे पर फेंक दे, एल्गोरिथ्म का देवता उस पर उतना ही मेहरबान हो जाता है। गाली जितनी तीखी, रील्स पर ‘लाइक’ और ‘शेयर’ का अंबार उतना ही भारी। ?और इस पूरे तमाशे का सबसे गौरवशाली दृश्य घर के भीतर घटा जाता है। वही माँ-बाप, जो कभी बच्चे के मुँह से

गलती से ‘अबे’ सुन लेते थे तो जीभ पर मिर्च सगुड़ने की धमकी देते थे, आज सोफे पर बैठकर बड़े गर्व से छाती फुलाए रील्स स्कॉल करते हैं। बाप मोहल्ले के नुककड़ पर शर्मा जी से गर्व से कहता है, ‘सुना आपने? हमारे चिट्ठू ने आज सुबह जो वीडियो डाली थी, उसमें तीन लाख व्यूज आ गए! क्या गजब की रीबरदार जुबान पाई है लौंडे ने। खानदान का नाम तो यही अमर करेगा।’

उधर माँ किटी पार्टी में पड़ोसन को मोबाइल की स्क्रीन दिखाते हुए इतारती है, ‘देखिए न, हमारी पिंकी कैमरे के आगे कितनी सहज है! बिल्कुल झिझकती नहीं। पहले तो वाक्यों में ही सामने वाले की सातों पीढ़ियों का कच्चा-चिट्ठा खोलकर रख देती है। संस्कार तो हमारे ही हैं, बस थोड़ा मॉडर्न अंदाज में परोसती है।’

माता-पिता अब संस्कारों की

वसीयत नहीं, बल्कि ‘फॉलोअर्स काउंट’ का बहीखाता सहेज रहे हैं। घर का माहौल ऐसा बन चुका है मानो बच्चा कोई क्रांतिकारी काम करके लौटा हो। यदि किसी दिन बच्चा कोई कायदे की, समझदारी भरी बात कह दे, तो घरवाले चिंतित हो जाते हैं कि कहीं इसकी ‘रीच’ न गिर जाए।

शर्म, हया और तहजीब अब पुराने जमाने के म्यूजियम की चीजें बन चुकी हैं। समाज भी वाह-वाह कर रहा है, कमेंट सेक्शन में तालियाँ पीट रहा है और स्क्रीन पर थूकते हुए अंगूठे से ‘लाइक’ देवा रहा है।

नाम तो सचमुच रोशन हो रहा है, बस फर्क इतना है कि यह रोशनी किसी दीये की नहीं, बल्कि उस घर की चोखट पर लगी आग की है, जिसमें संस्कार और गरिमा दोनों स्वाहा हो रहे हैं। लेकिन चिंता किस है? जब तक व्यूज का मीटर चिक्ले है, तब तक तमाशा जारी रहेगा।

### इतिहास

19 अक्टूबर का दिन भारत और विश्व इतिहास की कई महत्वपूर्ण घटनाओं से जुड़ा है:

प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ  
1689: औरंगजेब की सेना ने रायगढ़ किले पर कब्जा किया था।

1781: अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम के दौरान ब्रिटिश सेना ने यॉर्कटाउन में आत्मसमर्पण किया।

1813: जर्मनी के लाइपजिग में ‘बैटल ऑफ द नेप्स’ (राष्ट्रों का युद्ध) समाप्त हुआ, जिसमें नेपोलियन बोनापार्ट को हार मिली।

1900: जर्मन वैज्ञानिक मैक्स प्लैंक ने ‘प्लांक का नियम’ (ब्लैक बॉडी एमिशन का नियम) दुनिया के सामने रखा।

1950: मदर टेरेसा ने कोलकाता में ‘मिशनरीज ऑफ चैरिटी’ की स्थापना की।

1970: पहला रूसी सुपरसोनिक लड़ाकू विमान रूस-21 भारतीय वायुसेना के बेड़े में शामिल हुआ।







# सोना इस हफ्ते तीन हजार और चांदी दस हजार रुपए से अधिक सस्ती हुई

**विश्व केसरी■**  
**नई दिल्ली।** सोने और चांदी में इस हफ्ते बड़ी गिरावट देखने को मिली, जिससे दोनों कीमती धातुओं का दाम क्रमशः 3,000 रुपए और 10,000 रुपए से अधिक घट गया।  
इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम इस हफ्ते 3,004 रुपए कम होकर 1,46,426 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जबकि पहले यह 1,49,430 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। 22 कैरेट सोने की कीमत कम होकर 1,34,126 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,36,878 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 18 कैरेट सोने का दाम कम होकर 1,09,820 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,12,073 रुपए प्रति 10 ग्राम था।  
इस हफ्ते 24 कैरेट सोने में सबसे न्यूनतम दाम 15 अक्टूबर को



सुबह के सत्र में 1,45,564 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। वहीं, इस हफ्ते 24 कैरेट सोने में सबसे न्यूनतम दाम 12 अक्टूबर को सुबह के सत्र में 1,48,425 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। सोने के साथ चांदी की कीमत में भी गिरावट देखने को

2,21,109 रुपए प्रति किलो था। इस हफ्ते चांदी की कीमतों को 12 अक्टूबर को सुबह के सत्र में 2,20,874 रुपए प्रति किलो देखा गया। वहीं, न्यूनतम दाम 15 अक्टूबर को सुबह के सत्र में 2,07,098 रुपए प्रति किलो देखा गया। आईबीजेए की ओर से दिन में दो बार सुबह और शाम के सत्र में सोने और चांदी की कीमतों को जारी किया जाता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने का दाम करीब 4,186 डॉलर प्रति औंस और चांदी का दाम 57 डॉलर प्रति औंस के करीब था। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सोने और चांदी में गिरावट की वजह कच्चे तेल की कीमत बढ़ने के कारण डॉलर का महंगा होना है, जिससे दोनों कीमती धातुओं पर दबाव बढ़ रहा है। वहीं, महंगाई बढ़ने से व्याज दरों में इजाफे की संभावना से निवेशक दोनों कीमती धातुओं में बिकवाली कर रहे हैं।

## सितंबर में रूस से कच्चे तेल का आयात 13 प्रतिशत घटा, बढ़ती कीमतों और पश्चिम एशिया संकट का असर: रिपोर्ट

**विश्व केसरी■**  
**नई दिल्ली।** बढ़ती तेल कीमतों और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण सितंबर में भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात 13 प्रतिशत घट गया। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एनर् (सीआरईए) की रिपोर्ट के अनुसार, यह लगातार दूसरा महीना है जब रूसी कच्चे तेल का आयात कम हुआ है और अप्रैल के बाद यह सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है।  
रिपोर्ट के मुताबिक, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के चलते लाल सागर (रेड सी) के व्यापार मार्ग और होर्मुज जलडमरूमध्य दोनों प्रभावित हुए, जिससे वैश्विक तेल बाजार पर दबाव बढ़ा और कीमतों में उछाल आया।  
भारत में रिलायंस इंडस्ट्रीज द्वारा संचालित जामनगर रिफाइनरी में रूसी कच्चे तेल का आयात 27 प्रतिशत घटा। वहीं इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) की



पारादीप रिफाइनरी में आयात 21 प्रतिशत कम हुआ, जबकि नायरा एनर्जी की बाड़िनार रिफाइनरी में इसमें 8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।  
सितंबर में भारत रूस का दूसरा सबसे बड़ा जीवाश्म ईंधन खरीदार बना रहा। इस दौरान भारत ने 4.1 अरब यूरो मूल्य के रूसी हाइड्रोकार्बन का आयात किया, जिसमें 88 प्रतिशत हिस्सा कच्चे तेल का था। रूस से इससे अधिक खरीद केवल चीन ने की।  
पारादीप रिफाइनरी में आयात 21 प्रतिशत कम हुआ, जबकि नायरा एनर्जी की बाड़िनार रिफाइनरी में इसमें 8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।  
सितंबर में भारत रूस का दूसरा सबसे बड़ा जीवाश्म ईंधन खरीदार बना रहा। इस दौरान भारत ने 4.1 अरब यूरो मूल्य के रूसी हाइड्रोकार्बन का आयात किया, जिसमें 88 प्रतिशत हिस्सा कच्चे तेल का था। रूस से इससे अधिक खरीद केवल चीन ने की।

सीआरईए की रिपोर्ट में कहा गया है कि दिसंबर 2022 से अब तक रूस के कुल कच्चे तेल निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 37 प्रतिशत रही है, जबकि चीन की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत रही।  
इस बीच भारत और चीन के लिए बड़ी राहत देते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एक कार्यकारी आदेश जारी कर रूसी तेल निर्यात से जुड़े कई प्रतिबंधों और शुल्कों में छूट दे दी। ये प्रतिबंध अगले दिन लागू होने

वाले थे। ट्रंप ने कहा कि यह निर्णय अमेरिका के 'राष्ट्रीय हित' में लिया गया है। इससे भारत और चीन को मौजूदा स्तर पर रूसी तेल आयात जारी रखने में मदद मिलेगी। रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर 2026 में रूस के यूराल ग्रेड कच्चे तेल की औसत कीमत महीने-दर-महीने 32 प्रतिशत बढ़कर 90.7 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई। यह अप्रैल 2026 के बाद सबसे ऊंचा मासिक औसत स्तर है और यूरोपीय संघ तथा ब्रिटेन द्वारा निर्धारित 44.1 डॉलर प्रति बैरल की मूल्य सीमा से दोगुने से भी अधिक है। यह मूल्य सीमा 1 फरवरी 2026 से प्रभावी हुई थी और यूरोपीय संघ के 21वें प्रतिबंध पैकेज के तहत इसे बरकरार रखा गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सितंबर में होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरने वाले तेल परिवहन में महीने-दर-महीने 60 प्रतिशत से अधिक वृद्धि हुई, इसके बावजूद वैश्विक जीवाश्म ईंधन की कीमतें ऊंची बनी रहीं।

## तिमाही नतीजे, एफआईआई निवेश और वैश्विक संकेत तय करेंगे दिशा

**विश्व केसरी■**  
**मुंबई।** अगला सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए बड़ा अहम होने वाला है। सितंबर तिमाही (क्यू2) के नतीजों, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के निवेश रुख, वैश्विक बॉन्ड यील्ड और कच्चे तेल की कीमतें बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकती हैं। निवेशक यह आकलन करेंगे कि हालिया मजबूत तेजी के बाद बाजार अपनी गति को बरकरार रख पाता है या नहीं।  
बीते सप्ताह की बात करें तो, निफ्टी 50 में 2.77 प्रतिशत और सेंसेक्स में 3.11 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। इस तेजी को सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) शेयरों में नई खरीदारी, वैश्विक बॉन्ड यील्ड के दबाव में कमी और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की लगातार खरीदारी का समर्थन मिला। शुक्रवार को भी दोनों प्रमुख सूचकांकों ने लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में बढ़त दर्ज की, जिससे हालिया करेक्शन के बाद बाजार में रिकवरी की उम्मीदें और मजबूत हुईं।  
सेंसेक्स 413.66 अंक यानी 0.56 प्रतिशत बढ़कर 74,729.27 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 50 में 148.80 अंकों या 0.65 प्रतिशत की तेजी आई और यह 23,146.15 के स्तर पर बंद हुआ। पूरे सप्ताह के दौरान सेंसेक्स में 2,256.94 अंकों और निफ्टी में 625.7 अंकों की बढ़त दर्ज की गई। अब बाजार प्रतिभागियों की नजर सितंबर तिमाही के नतीजों पर रहेगी। निवेशक यह देखेंगे कि हालिया तेजी केवल आईटी शेयरों



तक सीमित रहती है या अन्य सेक्टरों में भी फैलती है। बैंकिंग, उपभोक्ता और औद्योगिक कंपनियों के नतीजों तथा प्रबंधन की टिप्पणियों पर विशेष नजर रहेगी, ताकि राजस्व वृद्धि, मार्जिन में सुधार और मांग की स्थिति का आकलन किया जा सके।  
आने वाली तिमाहियों के लिए कंपनियों द्वारा जारी मार्गदर्शन (गाइडेंस) भी निवेशकों की धारणा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मजबूत नतीजे और सकारात्मक कारोबारी संकेत बाजार को समर्थन दे सकते हैं, जबकि कमजोर प्रदर्शन या सतर्क रुख आगे की तेजी को सीमित कर सकता है। बाजार की दिशा तय करने में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का रुख भी अहम रहेगा। हालांकि विदेशी निवेशकों की बिकवाली में कुछ कमी आई है, लेकिन यदि यह सिलसिला जारी रहा तो बाजार पर दबाव बन सकता है। वहीं, घरेलू

संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की लगातार खरीदारी बाजार को सहारा दे सकती है।  
वैश्विक बॉन्ड यील्ड और मौद्रिक नीति को लेकर उम्मीदें भी निवेशकों के फोकस में रहेगी। यदि बॉन्ड यील्ड में फिर से तेजी आती है तो इक्विटी बाजार के मूल्यांकन पर दबाव बढ़ सकता है, क्योंकि ऐसे में फिक्स्ड इनकम निवेश अपेक्षाकृत अधिक आकर्षक हो जाते हैं। इसके विपरीत, यील्ड में नरमी जोखिम लेने की क्षमता को बढ़ा सकती है और शेयर बाजार में निवेश को प्रोत्साहित कर सकती है।  
कच्चे तेल की कीमतें और भू-राजनीतिक घटनाक्रम भी अगले सप्ताह महत्वपूर्ण रहेंगे। अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों में लगातार बढ़ोतरी भारत के आयात बिल को बढ़ा सकती है, महंगाई पर दबाव डाल सकती है और कंपनियों के मार्जिन को प्रभावित कर सकती है।

## छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का आधिकारिक स्ट्रीमिंग पार्टनर बना जियोहॉटस्टार

**विश्व केसरी■**  
**रायपुर (संवाददाता)।** छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के स्ट्रीमिंग पार्टनर जियोहॉटस्टार द्वारा लीग के सभी मैचों की लाइव स्ट्रीमिंग की जाएगी। मैदान के साथ ही जियोहॉटस्टार पर लोगों को 22 अक्टूबर से 1 नवंबर तक रोजाना शाम 5:30 बजे से विश्व स्तरीय हॉकी के 18 रोमांचक मैच देखने को मिलेंगे।  
छत्तीसगढ़ हॉकी लीग भारत की पहली आधिकारिक राज्य हॉकी लीग है, जिसे हॉकी के छह शहरों का प्रतिनिधित्व करने वाली छह प्रेंचाइजी शामिल होंगी। यह लीग एक लीग फॉर्मेट में आयोजित की जाएगी, जिसमें शीप चार टीमों सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी, जबकि फाइनल मैच 1 नवंबर 2026 को खेला जाएगा।  
लीग में भारतीय हॉकी के कई दिग्गज खिलाड़ी शामिल होंगे, जो मुख्य आकर्षण (मार्की खिलाड़ी) के रूप में रहेंगे। इनमें ओलंपियन सुरेंद्र कुमार, प्रदीप मोर, एस.वी. सुनील, ललित कुमार उपाध्याय, शमशेर और चिंगलेनसाना सिंह कंगुजाम जैसे नाम शामिल हैं, जो इन छह प्रेंचाइजी का नेतृत्व करेंगे। पुरुषों की प्रतियोगिता के साथ-साथ, छत्तीसगढ़ का खेल एवं युवा कल्याण विभाग टूर्नामेंट के पहले दिन महिलाओं के लिए एक प्रदर्शनी मैच (एग्जीबिशन मैच) भी आयोजित करेगा, ताकि महिला हॉकी को बढ़ावा दिया जा सके।  
खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संचालक आकांक्षा शिखा खलखो ने बताया कि छत्तीसगढ़ हॉकी लीग भारतीय हॉकी के इतिहास में एक बेहद शानदार अध्याय की शुरुआत है। इसका मुख्य उद्देश्य राज्य के खिलाड़ियों को राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने का मौका देना है। लीग के सभी मैचों की जियोहॉटस्टार पर लाइव स्ट्रीमिंग से लीग को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर पहचान मिलेगी। रायपुर के मैदान से राज्य के खिलाड़ियों का हुनर पूरी दुनिया देखेगी।

**विश्व केसरी■**  
**नई दिल्ली।** शीर्ष अर्थशास्त्री क्यूंनूत किम ने रविवार को कहा कि पिछले एक दशक में भारत की आर्थिक प्रगति सराहना की हकदार है। उन्होंने कहा कि देश की लगातार मजबूत आर्थिक वृद्धि और बेहतर होती आर्थिक स्थिति भविष्य के लिए आशावाद के पर्याप्त कारण प्रदान करती है।  
सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए गए एक पोस्ट में किम ने कहा कि भारत के सामने अभी भी कई चुनौतियां मौजूद हैं, लेकिन इसके बावजूद आर्थिक रूप से तेजी से आगे बढ़ने की देश की क्षमता और मध्यम अवधि की विकास संभावनाएं बेहद महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं। उन्होंने कहा, 'मेरा निष्कर्ष वही है। भारत के सामने कई चुनौतियां हैं, लेकिन विशेष रूप से पिछले दशक में उसकी आर्थिक प्रगति और मध्यम अवधि में सकारात्मक विकास संभावनाएं (आईएमएफ), एशियाई विकास बैंक (एडीबी) और विश्व बैंक जैसे लगभग सभी प्रमुख वैश्विक संस्थानों ने चालू वर्ष और अगले वर्ष के लिए भारत की विकास दर के अनुमान को बढ़ाकर 7 प्रतिशत से अधिक कर दिया है। अर्थशास्त्री के अनुसार,



जर्जन मनाने योग्य हैं। 1.4 अरब लोगों वाले देश के लिए यह प्रगति बेहद महत्वपूर्ण है।' किम को यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब उन्होंने एक दिन पहले ही भारत की मजबूत विकास यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा था कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष

विश्व बैंक जैसे लगभग सभी प्रमुख वैश्विक संस्थानों ने चालू वर्ष और अगले वर्ष के लिए भारत की विकास दर के अनुमान को बढ़ाकर 7 प्रतिशत से अधिक कर दिया है। अर्थशास्त्री के अनुसार,

## शीर्ष 10 कंपनियों की मार्केट वैल्यू में 3.65 लाख करोड़ रुपए का उछाल

**विश्व केसरी■**  
**मुंबई।** भारतीय शेयर बाजार में बीते सप्ताह आई तेज उछाल के बीच देश की 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से 9 के संयुक्त बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैपिटलाइजेशन) में 3.65 लाख करोड़ रुपए की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल और इंफोसिस सबसे अधिक लाभ पाने वाली कंपनियों के रूप में उभरीं।  
दत्ताल स्ट्रीट पर सकारात्मक माहौल के बीच सप्ताह के दौरान सेंसेक्स 2,256.94 अंक यानी 3.11 प्रतिशत चढ़ा, जबकि निफ्टी में 625.7 अंकों यानी 2.77 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।  
शीर्ष 10 कंपनियों में टीसीएस सबसे बड़ी वैल्यू क्रिएटर रही। कंपनी का बाजार पूंजीकरण 1,08,542.63 करोड़ रुपए बढ़कर 8,91,134.96 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इसके बाद भारती एयरटेल का स्थान रहा, जिसकी मार्केट वैल्यू 61,406.53 करोड़ रुपए बढ़कर 11,88,815.45 करोड़ रुपए हो गई। वहीं इंफोसिस ने 55,893.05 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी दर्ज की और उसका बाजार पूंजीकरण 4,71,409.41 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। देश की सबसे मूल्यवान सूचीबद्ध कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण भी 53,047.56 करोड़ रुपए बढ़कर 16,37,437.19 करोड़ रुपए हो गया और उसने अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा।  
निजी क्षेत्र के बैंकों में भी अच्छी तेजी देखने को मिली। एचडीएफसी बैंक की मार्केट वैल्यू 32,379.05 करोड़ रुपए बढ़कर 11,22,628.07 करोड़ रुपए हो गई। जबकि आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 30,769.95 करोड़ रुपए हो गया। अन्य बढ़त दर्ज करने वाली कंपनियों में बजाज फार्मेशन शामिल रही, जिसकी वैल्यू 14,786.65 करोड़ रुपए बढ़कर 6,11,326.72 करोड़ रुपए हो गई। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के बाजार पूंजीकरण में 4,933.5 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई और यह 5,02,204.82 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। वहीं भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की मार्केट वैल्यू 3,323.07 करोड़ रुपए बढ़कर 8,87,722.84 करोड़ रुपए हो गई।



जबकि आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 30,769.95 करोड़ रुपए हो गया। अन्य बढ़त दर्ज करने वाली कंपनियों में बजाज फार्मेशन शामिल रही, जिसकी वैल्यू 14,786.65 करोड़ रुपए बढ़कर 6,11,326.72 करोड़ रुपए हो गई। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के बाजार पूंजीकरण में 4,933.5 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई और यह 5,02,204.82 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। वहीं भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की मार्केट वैल्यू 3,323.07 करोड़ रुपए बढ़कर 8,87,722.84 करोड़ रुपए हो गई।



दशहरा पर ऐसे बनाएं स्वादिष्ट हेलदी पेड़ा, स्वाद चखकर हर कोई पूछेगा कहां से मंगवाया



दशहरा पर इस बार बाजार की मिठाई के बजाय घर पर बनाएं स्वादिष्ट गुड़ वाले पेड़े. मावा, गुड़ और इलायची से बनने वाली यह मिठाई स्वाद में लाजवाब है और इसे बनाना भी बेहद आसान है.

दशहरा के त्योहार पर घर में मिठाई बनाना हो या मेहमानों का मुंह मीठा कराना हो, पेड़ा एक

बढ़िया विकल्प है. दूध से बनने वाली इस मिठाई का स्वाद बच्चों से लेकर बड़ों तक को पसंद आता है. लेकिन बाजार से मिठाई खरीदने के बजाय आप इसे घर पर भी आसानी से बना सकते हैं. अगर आप इस बार दशहरा पर कुछ मीठा और थोड़ा हेलदी बनाना चाहते हैं, तो घर पर मावा और गुड़ की मदद

से पेड़ा तैयार कर सकते हैं. इसमें मिठास के लिए सफेद चीनी की जगह गुड़ का इस्तेमाल किया जा सकता है. इसे बनाने के लिए बहुत ज्यादा सामग्री की जरूरत नहीं होती और यह कम समय में तैयार हो जाता है. आइए जानते हैं घर पर स्वादिष्ट पेड़ा बनाने का आसान तरीका.

हेल्दी पेड़ा बनाने के लिए सामग्री

- मावा - 250 ग्राम
- गुड़ का पाउडर - 3 से 4 बड़े चम्मच
- इलायची पाउडर - आधा छोटा चम्मच
- घी - 1 छोटा चम्मच
- कटे हुए बादाम और पिस्ता - 2 बड़े चम्मच
- केसर - कुछ धागे (वैकल्पिक)

घर पर कैसे बनाएं हेलदी पेड़ा ?

पहला स्टेप: सबसे पहले एक भारी तले वाली कड़ाही लें और उसमें थोड़ा घी डालकर गर्म करें. अब इसमें मावा डालें और धीमी आंच पर लगातार चलाते हुए भूनें. मावे को तब तक पकाएँ, जब तक वह हल्का नरम और खुशबूदार न हो जाए. ध्यान रखें कि आंच तेज न हो, वरना मावा नीचे से जल सकता है.

दूसरा स्टेप: मावा अच्छी तरह पक जाए, तो गैस बंद कर दें. इसे कुछ देर ठंडा होने दें. ध्यान रखें कि गुड़ को बहुत गर्म मावे में न मिलाएं, क्योंकि ज्यादा गर्मी में गुड़ का मिश्रण ज़रूरत से ज्यादा पतला हो सकता है और उसकी बनावट बदल सकती है.

तीसरा स्टेप: अब मावे में गुड़

का पाउडर और इलायची पाउडर डालकर अच्छी तरह मिलाएं. अगर आप केसर का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो उसे भी मिला सकते हैं. मिश्रण को चखकर मिठास अपनी पसंद के अनुसार रख सकते हैं.

चौथा स्टेप: मिश्रण थोड़ा ठंडा हो जाए और हाथ से संभालने लायक बन जाए, तो इसकी छोटी-छोटी लोइयां बना लें. इन्हें हथेलियों से दबाकर पेड़े का आकार दें. बीच में अंगूठे से हल्का निशान बना सकते हैं.

पांचवां स्टेप: आखिर में पेड़ों के ऊपर कटे हुए बादाम और पिस्ता लगाएं. इन्हें कुछ देर सेट होने दें. आपके घर के बने स्वादिष्ट गुड़ वाले पेड़े तैयार हैं. इन्हें एयरटाइट डिब्बे में रखें और बेहतर स्वाद व सुरक्षा के लिए फ्रिज में स्टोर करें.

पेड़े को थोड़ा हेलदी बनाने के लिए इन बातों का रखें ध्यान

गुड़ का इस्तेमाल करने से पेड़े में सफेद चीनी की जगह अलग तरह की मिठास आती है, लेकिन गुड़ भी मीठा करने वाला पदार्थ है और इसमें कैलोरी होती है. इसलिए इसे सीमित मात्रा में खाना बेहतर है. इसी तरह बादाम और पिस्ता स्वाद के साथ कुछ पोषक तत्व भी देते हैं, लेकिन इनकी मात्रा भी संतुलित रखें।

अमरूद के पेड़ पर लादने हैं बड़े-मीठे फल ? अक्टूबर की ठंड में तुरंत करें ये 4 काम, भर जाएगी टोकरी



अक्टूबर की गुलाबी ठंड में अमरूद के पौधों की विशेष देखभाल जरूरी है. इस दौरान पौधों को कम पानी दें, 6 से 8 घंटे धूप दिलाएं, सड़ी गोबर खाद या वर्मी कम्पोस्ट का इस्तेमाल करें और कीड़ों से बचाने के लिए नीम के तेल का छिड़काव करें. इससे बंपर पैदावार मिलेगी.

जिले के ज्यादातर क्षेत्रों में अमरूद की बागवानी व्यवसायिक स्तर पर की जाती है. खासकर योगपट्टी, मझौलिया, बैरिया और नौतन जैसे प्रखंडों के किसान अमरूद को अपनी मुख्य फसल के रूप में लगाते हैं. फिलहाल अक्टूबर मध्य चल रहा है. जिसके साथ गुलाबी ठंड ने भी दस्तक दे

दी है. हर दिन के साथ तापमान में आ रही गिरावट अमरूद की बागवानी को किस तरह प्रभावित कर सकती है. इससे पौधों को बचाने के क्या-क्या उपाय हो सकते हैं? जैसे विषयों पर आज हम आपको इस लेख में विस्तृत जानकारी दे रहे हैं.

अमरूद की व्यवसायिक खेती कर रहे जिले के नौतन प्रखंड निवासी और कृषक दिग्विजय बताते हैं कि, उन्होंने करीब 3 एकड़ में अमरूद की बागवानी की है. अक्टूबर में गुलाबी ठंड के आगमन के साथ उन्हें बाग में लगे अमरूद के पौधों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पड़ती है. जिसके **बहुत ज्यादा पानी नहीं देना**

**चाहिए**

अक्टूबर में तापमान में गिरावट के साथ पानी की आवश्यकता भी कम होने लगती है. इसलिए इस समय पौधों को बहुत ज्यादा पानी नहीं देना चाहिए. यदि पौधे में फूल आने की प्रक्रिया शुरू हो गई है. तो अत्यधिक पानी देने से फूल झड़ सकते हैं. हां, मिट्टी में हल्की नमी बनाए रखनी है, ताकि पौधे का विकास सुचारू रूप से होता रहे. अमरूद के पौधे को प्रकाश की सबसे ज्यादा जरूरत होती है. इसलिए यह सुनिश्चित करें कि पौधे को दिनभर में कम से कम 6 से 8 घंटे की भरपूर धूप मिल रही है या नहीं.

**खाद का करें ऐसे इस्तेमाल**

पौधे के चारों ओर की मिट्टी को हल्की गुड़ाई करके उसमें 10 से 15 किलोग्राम पुरानी सड़ी हुई गोबर की खाद या वर्मी कम्पोस्ट मिलाएं. अच्छी क्वालिटी और अधिक पैदावार के लिए पोटाश और फॉस्फोरस युक्त उर्वरक या नीम की खली और बोनमील का इस्तेमाल करना फायदेमंद होता है. पत्तियों पर यदि कीड़े या फंगल के लक्षण दिखें, तो महीने में कम से कम एक बार नीम के तेल का घोल बनाकर स्प्रे करें.जरूरत पड़ने पर फफूंद नाशक का हल्का छिड़काव करके पौधों को सुरक्षित रखा जा सकता है।

70 की उम्र में भी आंखें हैं एकदम तेज, रामपुर की दादी ने बताया ऐसा घरेलू नुस्खा, कभी नहीं लगेगा चश्मा



रामपुर की रहने वाली 70 साल की मोना चावला आंखों की देखभाल के लिए एक घरेलू मिश्रण खूब इस्तेमाल करती हैं. वह लंबे समय से इस नुस्खे को अपनाती आ रही हैं और उन्हें आज तक चश्मे की जरूरत नहीं पड़ी. मोना चावला लोकल 18 से बताती हैं कि इसके लिए बाजार से कोई महंगी चीज खरीदने की जरूरत नहीं है. सौंफ, बादाम, धागे वाली मिश्री और हरी इलायची से यह मिश्रण तैयार किया जा सकता है. इसे बनाने के लिए किसी खास मशीन या महंगी सामग्री की जरूरत नहीं होती. सुबह और शाम दोनों समय इसका सेवन किया जा सकता है.

आजकल छोटे बच्चों से लेकर बड़ों तक में आंखों की कमजोरी की समस्या देखने को मिल रही है. मोबाइल, टीवी और लैपटॉप पर ज्यादा समय बिताना, खान-पान पर ध्यान न देना और बदलती लाइफस्टाइल भी आंखों की सेहत को प्रभावित कर सकती है. ऐसे में लोग आंखों की देखभाल के लिए तरह तरह के उपाय तलाशते हैं. दादी नानी के घरेलू नुस्खे भी इसी वजह से लोगों के बीच पसंद किए जाते हैं. ऐसा ही एक पारंपरिक नुस्खा है, जिसे घर में मौजूद कुछ साधारण चीजों से तैयार किया जा सकता है. 70 साल की दादी मोना चावला अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में आंखों की देखभाल के लिए एक घरेलू मिश्रण खूब इस्तेमाल करती हैं. लोकल 18 से उनका कहना है कि वह लंबे समय से इस नुस्खे को अपनाती आ रही हैं और उन्हें आज तक चश्मे की जरूरत नहीं पड़ी. वह अपनी अच्छी नजर का श्रेय इस घरेलू मिश्रण को देती हैं. उनके मुताबिक इसके लिए बाजार से कोई महंगी चीज खरीदने की जरूरत नहीं है।

तांबे-पीतल के बर्तन पड़ गए हैं काले? लेमन साल्ट और सिरके से बनाएं ये घरेलू घोल, लौट सकती है पुरानी चमक



किचन और पूजा घर में रखे तांबे और पीतल के बर्तन समय के साथ काले और मटमैले पड़ने लगते हैं. हवा और नमी के संपर्क में आने से इन बर्तनों की सतह पर ऑक्सिडेशन की परत जम सकती है, जिसे सामान्य पानी से साफ करना मुश्किल होता है. ऐसे में लेमन साल्ट यानी साइट्रिक एसिड, नमक, सफेद सिरका और लिक्विड डिटर्जेंट से तैयार घरेलू घोल सफाई में मदद कर सकता है. इस मिश्रण को बर्तन पर लगाकर थोड़ी देर छोड़ने और मुलायम स्पंज से हल्के हाथों से साफ करने पर जमा मैल

और कालापन कम हो सकता है. किचन या पूजा की जगह पर रखे तांबे और पीतल के बर्तन जब चमकने के बजाय काले और मटमैले दिखने लें तो उनकी सफाई सबसे ज्यादा इंझट वाला काम लगती है. खासकर लोटे, गिलास और पूजा के बर्तनों पर जमी परत को हटाने के लिए कई ऐसे में घर में मौजूद कुछ आम चीजों से तैयार किया गया घोल काम आ सकता है. इसमें लेमन साल्ट, नमक, सफेद सिरका और बर्तन धोने वाला डिटर्जेंट इस्तेमाल

किया जाता है.

यह तरीका बर्तन की सतह पर जमा मैल और ऑक्सिडेशन की परत को ढीला करने में मदद कर सकता है. हालांकि हर बर्तन पर एक जैसा नतीजा मिले, यह जरूरी नहीं है. सही तरीके और सावधानी के साथ इस्तेमाल करना जरूरी है.

तांबे और पीतल के बर्तन काले क्यों पड़ते हैं

तांबे और पीतल के बर्तन समय के साथ हवा, नमी और दूसरी चीजों के संपर्क में आने से अपनी चमक खो सकते हैं. उनकी सतह पर

ऑक्सिडेशन की परत बन सकती है, जिससे बर्तन का रंग गहरा या मटमैला दिखाई देने लगता है. पूजा में नियमित इस्तेमाल होने वाले लोटे और गिलास में यह समस्या ज्यादा नजर आ सकती है. सिर्फ पानी से धोने पर यह परत आसानी से नहीं निकलती. इसी वजह से लोग पीतांबरी, नींबू या दूसरे क्लीनिंग तरीकों का इस्तेमाल करते हैं, अगर आप कम मेहनत वाला घरेलू विकल्प आजमाना चाहते हैं तो लेमन साल्ट वाला यह घोल इस्तेमाल किया जा सकता है.

लेमन साल्ट से तैयार करें सफाई का घोल

इन चीजों की जरूरत होगी

इस घरेलू घोल के लिए एक कटोरी में 2 छोटी चम्मच लेमन साल्ट लें. इसे साइट्रिक एसिड भी कहा जाता है. अब इसमें 1 छोटी चम्मच साधारण नमक और 2 छोटी चम्मच सफेद सिरका डालें. इसके बाद करीब 1 छोटी चम्मच बर्तन धोने वाला लिक्विड डिटर्जेंट मिलाएं. जरूरत के हिसाब से थोड़ा पानी डालकर सभी चीजों अ अच्छी तरह मिला लें. मिश्रण को तब तक चलाएं जब तक लेमन साल्ट और नमक अच्छी तरह घुल न जाए. यहां ध्यान रखें कि घोल बहुत ज्यादा गाढ़ा बनाने की जरूरत नहीं है।

पराटे नहीं.. मिथिलांचल स्टाइल में बनाए मूली की कचरी, झटपट में हो जाएगा तैयार



मिथिलांचल में मूली की कचरी एक लोकप्रिय पारंपरिक डिश है, जिसे लोग दाल-चावल और अन्य देसी व्यंजनों के साथ बड़े चाव से खाते हैं. खासकर त्योहारों और मेहमानों के आने पर बिना प्याज-लहसुन वाले भोजन में कुरकुरी कचरी स्वाद बढ़ा देती है.

मिथिलांचल में तरुआ और पकौड़े खाने के शौकीन लोगों के लिए सर्दियों का मौसम खास होता है. इस मौसम में बाजार में ताजी मूली खूब मिलती है. आमतौर पर लोग मूली के पराटे खाना पसंद करते हैं, लेकिन मिथिला में इससे स्वादिष्ट मूली की कचरी भी तैयार की जाती है. इसे कम समय में घर पर आसानी से बनाया जा सकता है.

घर पर मेहमान आने वाले हैं या त्योहार का समय हो, तो कई लोग बिना प्याज-लहसुन का शुद्ध शाकाहारी भोजन बनाना पसंद करते हैं. ऐसे में मिथिलांचल की पारंपरिक डिश कचरी और तरुआ खाने का स्वाद बढ़ा देते हैं. यहां लोग सुबह, शाम या रात के खाने में दाल-चावल और दूसरी देसी डिश के साथ कचरी के दो टुकड़े खाना भी पसंद करते हैं.

कैसे करें तैयार

मिथिलांचल में मूली से बनने वाली कचरी भी काफी पसंद की जाती है. सर्दियों में ताजी मूली से तैयार यह कुरकुरी डिश खाने में स्वादिष्ट होती है और इसे घर पर आसानी से बनाया जा सकता है. अगर आप भी इस बार कुछ अलग और पारंपरिक बनाना चाहते हैं, तो कीर्ति से जानिए मूली की कचरी बनाने की पूरी विधि.

मूली का कचरी (पकौड़े) बनाने के लिए ताजी मूली, बेसन या फिर आपको अगर कुरकुरा सा खाना है तो उसमें थोड़ा सा चावल का आटा भी मिला सकते है. फिर नमक, हल्दी, मिर्च, धनिया और हरा मिर्च उसमें काटकर मिला देंगे और फिर मूली के पकौड़े को तेल में तल लेते हैं।

किसी को नाखूनों से खोदा, तो कोई बना आंसुओं से! माउंट आबू के इन 6 जल स्रोतों की कहानियां कर देंगी हैरान

माउंट आबू की खूबसूरती सिर्फ नक्की झील तक सीमित नहीं है, यहां सावन-भादो कुंड, मंदाकिनी कुंड, गौमुख कुंड और ट्रैवर्स टैंक जैसे कई अद्भुत स्थल हैं, जिन्से प्रेम, पौराणिक मान्यताओं और इतिहास के दिलचस्प कहानियां जुड़ी हैं. जानिए माउंट आबू के इन 6 खूबसूरत पर्यटन स्थलों की खासियत.

शहर में चारों ओर पहाड़ियों और चट्टानों से घिरी नक्की झील झील पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनी रहती है. यहां बोटिंग, झील के किनारे सैर और आसपास के बाजार में खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं. राजस्थान पर्यटन के अनुसार, नक्की लेक को पहली मानव निर्मित झील के रूप में भी उल्लेख मिलता है. इस झील से जुड़ी एक लोककथा के अनुसार रसिया बालम ने अपने प्रेम कुंवारी कन्या से विवाह के लिए इस झील को एक रात में अपने नाखून से खोदकर बनाया था, लेकिन इसके बाद भी उनका प्रेम अधूरा रह



गया.

आबूराज शहर से करीब 7 किलोमीटर दूर अचलगढ़ की पहाड़ी पर बना सावन भादो कुंड क्षेत्र की ऐतिहासिक धरोहर है. पहाड़ी के ऊपरी

भाग पर बने इस कुंड को लेकर मान्यता है कि ये कुंड यहां तपस्या कर रही मीरा बाई के आंसुओं से बना था. साल में दो मास श्रावण और भाद्रपद पर इस कुंड का नाम रखा गया है. ये

कुंड बीच से दो भागों में बटा हुआ है. एक भाग को सावन और दूसरे भाग को भादो कुंड माना जाता है. इस कुंड के आपस ही एक कुटिया बनी हुई है. जिसे मीराबाई की झोपड़ी के रूप में

जाना जाता है. वर्तमान में यहां मीराबाई का मंदिर है.

अचलगढ में ही बना प्राचीन मंदाकिनी कुंड एक स्थानीय लोककथा से जुड़ा है. इस कुंड के किनारे तीन भाषाओं की मूर्तियां है. स्थानीय रहवासी को अनुसार यहां प्राचीन काल में ऋषि मुनि यज्ञ के लिए पानी लेकर जाते थे. तभी तीन राक्षस ऋषियों को परेशान कर यज्ञ में विघ्न डालते थे. जब यहां के राजा को इस बात का पता लगा, तो ऋषियों और यज्ञ की सुरक्षा के लिए एक दिन यहां पहुंचे और तीनों राक्षस को तौर के वार से पत्थर की मूर्तियों में बदल दिया. सरकार की ओर से इस तालाब के विकास का कार्य करवाया जा रहा है.

माउंट आबू के देलवाड़ा क्षेत्र में संत सरोवर एक प्राकृतिक वातावरण और धार्मिक आस्था का संगम है. सरोवर के पास सोमनाथ महादेव मंदिर है, जो यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए इस तालाब धार्मिक महत्व भी

है. तालब के बीच में भगवान शिवी की प्रतिमा और आसपास हरियाली और पहाड़ों के नजारे इस झील के शांत और आध्यात्मिक माहौल को बताते है. यह स्थान कई संतों की तप भूमि भी है. इसके ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व को देखते हुए गत बजट घोषणा में इस तालाब के विकास और

सौंदर्यीकरण को लेकर सरकार ने बजट घोषणा की थी.

गौमुख कुंड आबूराज के प्रमुख धार्मिक स्थलों में गिना जाता है. यहां मार्बलके गाय के मुख के आकार की संरचना से निकलने वाली जलधारा श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र है. यह स्थल ऋषि वंशधर के आश्रम और है ।

उससे जुड़ी पौराणिक परंपराओं के लिए प्रसिद्ध है. मान्यता के अनुसार ऋषि वंशधर ने यहां यज्ञ किया था, जिससे राजपूत अग्निवंश की उत्पत्ति हुई थी. इस कथा के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व की वजह से यहां कई पर्यटक इस कुंड को देखने आते





# शादी के बाद अमेरिका में हाउसवाइफ बन गई थीं माधुरी दीक्षित, पति के लिए सुबह साढ़े पांच बजे उठकर बनाती थीं नाश्ता

विश्व केसरी ■

मुंबई। बॉलीवुड की धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित ने अपनी एक्टिंग और डांस से लाखों लोगों का दिल जीता। हालांकि, शादी के बाद एक्ट्रेस ने अपनी जिंदगी में बड़ा बदलाव किया और पति डॉ. श्रीराम नेने के साथ अमेरिका शिफ्ट हो गईं। उस दौरान माधुरी ने घर संभालने से लेकर पति के लिए सुबह जल्दी उठकर नाश्ता बनाने तक की जिम्मेदारी निभाई। एक्ट्रेस ने दिग्गज अभिनेत्री सिमी ग्रेवाल के चैट शो में अपनी मैरिड लाइफ से जुड़ी कई बातें शेयर की थीं। सिमी ग्रेवाल के साथ बातचीत में माधुरी ने बताया कि वह पति श्रीराम नेने के लिए सुबह साढ़े पांच बजे उठकर नाश्ता बनाती थीं। उस समय उनके पति कार्डियोवैस्कुलर सर्जरी करते थे और उन्हें अपने तय ऑपरेशन के लिए जल्दी अस्पताल निकलना पड़ता था। ऐसे में वह सुबह उठकर उनके लिए नाश्ता तैयार करती थीं और फिर कुछ देर आराम करने के लिए वापस सो जाती थीं। अमेरिका में अपनी जिंदगी के बारे में बात करते हुए माधुरी ने कहा था, ‘ ‘मेरे पति सर्जरी करते थे, तब मैं उनके लिए नाश्ता बनाती थी। मैं सुबह साढ़े पांच बजे उठती थी और उनके लिए नाश्ता तैयार करती थी। इसके बाद वह काम पर चले जाते थे और मैं कुछ देर के लिए वापस सो जाती थी। मैंने उस जिंदगी के हर पल को एंजॉय किया। ’ ’

माधुरी की बात करें तो उन्होंने 17 अक्टूबर 1999 को दक्षिणी कैलिफोर्निया में डॉ. श्रीराम नेने के साथ पारंपरिक रीति-रिवाजों से शादी की थी। शादी के बाद एक्ट्रेस पति के साथ अमेरिका में रहने लगीं। इस कपल ने साल 2003 में अपने पहले बेटे एरिन का स्वागत किया। इसके दो साल बाद 2005 में उनके घर दूसरे बेटे रायन का जन्म हुआ।

शादी के बाद माधुरी ने कुछ समय तक फिल्मों से

दूरी बनाए रखी। हालांकि, साल 2007 में उन्होंने म्यूजिकल एंटरटेनर फिल्म ‘आजा नचले’ से बॉलीवुड में वापसी की। इसके बाद एक्ट्रेस ने फिल्मों और टीवी की दुनिया में फिर से अपनी पहचान बनाई। हाल ही में वह ओटीटी पर रिलीज हुई फिल्म ‘मां बहन’ में नजर आईं। सिमी ग्रेवाल के शो में माधुरी ने बताया कि आखिर डॉ. श्रीराम नेने की कौन-सी बात उन्हें पसंद आई थी। दिलचस्प बात यह है कि जब दोनों पहली बार मिले थे, तब श्रीराम नेने को माधुरी की स्टारडम के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। उन्होंने माधुरी की कोई फिल्म तक नहीं देखी थी। माधुरी ने बताया था, ‘ ‘जब आप किसी पार्टनर से मिलते हैं, तो आपको कुछ समानताएं जरूर मिलती हैं। उन्हें मेरे बारे में जो बात पसंद आई, वह यह थी कि मैं किसी की मदद के लिए अपनी तरफ से हर संभव कोशिश करती हूं। ’ ’



# हजारों हिट गाने देने के बाद भी कम नहीं हुआ हिमेश रेशमिया का जुनून, बोले-’आज भी नए कलाकार जैसा हूं’

विश्व केसरी ■

मुंबई। म्यूजिक कंपोजर और सिंगर हिमेश रेशमिया इन दिनों सिंगिंग रियलिटी शो ‘इंडियन आइडल लीजेंड्स रिटर्न’ में सुपरस्टार जज के तौर पर चर्चा में हैं। उनका मानना है कि किसी कलाकार के लंबे समय तक सफल बने रहने के लिए सिर्फ अच्छी आवाज होना काफी नहीं है बल्कि उसे समय के साथ खुद को बदलना और अपनी कला को बेहतर बनाना भी आना चाहिए। हिमेश रेशमिया ने कहा, ‘जज होने का मतलब सिर्फ अच्छी आवाज पहचानना नहीं है बल्कि किसी की क्षमता, उसकी अलग पहचान और स्टेज पर आकर अपनी आवाज लोगों तक पहुंचाने के हौसले को पहचानना भी है। मैंने खुद इस सफर को जिया है, इसलिए जानता हूं कि इसमें कामयाबी के साथ चुनौतियां भी आती हैं। खुद को नए तरीके से पेश करना और लगातार आगे बढ़ते रहना जरूरी है।’

सिंगर ने कहा, ‘जब मैं किसी कंटेस्टेंट को सुनता हूं, तो सिर्फ उसकी



गायकी की तकनीक पर ध्यान नहीं देते। मैं यह भी देखता हूं कि उस कलाकार की अपनी पहचान क्या है, उसमें आगे बढ़ने की कितनी चाह है और क्या उसके अंदर ऐसा कुछ खास है, जो उसे दूसरों से

अलग बनाता है। एक कलाकार को सिर्फ अपनी पुरानी कामयाबी के भरोसे नहीं रहना चाहिए, बल्कि उसे लगातार खुद को बेहतर बनाने की कोशिश करनी चाहिए। ’

# ‘डायबिटीज मेरी जिंदगी का हिस्सा है, पूरी पहचान नहीं’, ऐश्वर्या सखुजा ने बयां किया 10 साल का अनुभव

विश्व केसरी ■

मुंबई। ‘सास बिना ससुराल’, ‘मैं ना भूलूंगी’, ‘त्रिदेवियां’ और ‘रिश्ता डॉट कॉम’ जैसे शो में नजर आ चुकीं टीवी एक्ट्रेस ऐश्वर्या सखुजा पिछले 10 साल से टाइप-1 डायबिटीज से जूझ रही हैं। इस बीमारी को लेकर उन्होंने बताया कि उन्हें शुरुआत में गलत बीमारी बताई गई थी। बाद में पता चला कि वह टाइप-1 डायबिटीज से जूझ रही हैं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर बताया कि पिछले 10 साल उनके लिए इंसुलिन लेने, अपनी बाँड़ी को समझने और लाइफस्टाइल में बदलाव करने का सफर रहा है। डायबिटीज को मैनेज करना कई बार थका देने वाला रहता है। ऐश्वर्या ने इंस्टाग्राम पर लिखा, ‘ ‘10 साल पहले मेरी बीमारी का गलत पता लगाया गया था। जब तक मुझे समझ आया कि मेरी बाँड़ी के साथ क्या हो रहा है, तब तक मुझे अंदाजा भी नहीं था कि मेरी जिंदगी इस



तरह बदलने वाली है और मुझे हर दिन इसके साथ तालमेल बिठाना पड़ेगा। आज टाइप-1 डायबिटीज के साथ जीते हुए मुझे 10 साल पूरे हो गए हैं। ’ ’ उन्होंने आगे लिखा, ‘ ‘10 साल से इंसुलिन ले रही

हूं। 10 साल से अपनी बाँड़ी को समझ रही हूं। इस दौरान कई उतार-चढ़ाव आए, बहुत कुछ सीखा, कई बार निराशा हुई और धीरे-धीरे चीजों को समझना पड़ा। इन 10 सालों में मैंने अपना ख्याल रखने की कोशिश की है। उन दिनों में भी जब खुद की देखभाल करना किसी फुल-टाइम जॉब जैसा लगता है। ’ ’ एक्ट्रेस ने लिखा, ‘ ‘मैंने एक्सरसाइज की है और अपने खाने को लेकर भी ध्यान रखा है। मैंने सीखा है कि अपना ख्याल रखने का मतलब परफेक्ट होना नहीं है। इसका मतलब है बार-बार कोशिश करते रहना। इस सफर में मुझे अपनी बाँड़ी के प्रति थोड़ा और नरम होना भी सीखना पड़ा है। उस बाँड़ी के प्रति, जिसे इंसुलिन की जरूरत होती है। ’ ’ उन्होंने लिखा, ‘ ‘मैं डायबिटीज को खूबसूरत बनाकर पेश नहीं करूंगी। यह थका देने वाली, कई बार नाइंसाफी जैसी लगने वाली और बहुत मेहनत मांगने वाली बीमारी हो सकती है।

# बॉलीवुड डेब्यू को लेकर नर्वस हैं ईशा मालवीय, बोलीं-’आउटसाइडर को मौका मिलना मेरे लिए बड़ी बात’



विश्व केसरी ■

मुंबई। छोटे पर्दे पर अपनी पहचान बनाने के बाद अब एक्ट्रेस ईशा मालवीय बड़े पर्दे पर अपनी नई पारी शुरू करने जा रही हैं। फिल्म ‘तुम मेरे हो’ से बॉलीवुड में डेब्यू करने को लेकर ईशा काफी एक्साइटेड हैं। हालांकि, पहली फिल्म को लेकर उनके मन में घबराहट भी है लेकिन वह इस मौके को लेकर ज्यादा खुश हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि एक आउटसाइडर होने के बावजूद उन्हें बड़े पर्दे पर काम करने का मौका मिला है, जो उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। ईशा मालवीय ने आईएनएस से बातचीत में अपने बॉलीवुड डेब्यू को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ‘पहली फिल्म होने की वजह से मैं नर्वस हूं और मुझे डर भी लग रहा है लेकिन मेरी खुशी नर्वस होने से कहीं ज्यादा है। एक

आउटसाइडर के तौर पर बड़े पर्दे तक पहुंचना मेरे लिए बड़ी बात है। मैं इस मौके को लेकर काफी एक्साइटेड हूं और अपनी फिल्म को दर्शकों के सामने लाने का इंतजार कर रही हूं। ’ ईशा मालवीय ने कहा, ‘ ‘मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूं। मुझे लगता है कि अब तक मैंने जो मेहनत की है, जिंदगी में जिन मुश्किलों का सामना किया है और मुझे यहां तक पहुंचाने के लिए मेरे माता-पिता ने जो परेशानियां झेली हैं, उन सबका नतीजा अब सामने आ रहा है। मैं फिल्म ‘तुम मेरे हो’ से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हूं। इसके लिए मैं बहुत खुश हूं। ’ ईशा ने कहा, ‘ ‘मेरे लिए अभी भी इस बात पर यकीन करना आसान नहीं है कि मैं सच में बॉलीवुड फिल्म का हिस्सा बन गई हूं। मुझे कई बार ऐसा लगता है, जैसे मैं कोई सपना देख रही हूं। हालांकि, जब मैं फिल्म से जुड़े लोगों को अपने साथ

देखती हूं, तो मुझे इस बात का एहसास होता है कि मेरा सपना अब हकीकत बन रहा है। यह मेरे लिए अनुभव काफी खास है और मैं इस नए सफर को लेकर उत्साहित हूं। ’ अपनी फिल्म ‘तुम मेरे हो’ को लेकर ईशा ने कहा, ‘मुझे उम्मीद है कि यह उन दर्शकों को पसंद आएगी, जो पर्दे पर एक सिंपल लव स्टोरी देखना चाहते हैं। हम दर्शक के तौर पर अक्सर शिकायत करते हैं कि अच्छी फिल्में नहीं आ रही हैं। फिल्मों में बहुत हिंसा और खून-खराबा है। रोमांस कहाँ है? एक सिंपल लव स्टोरी कहाँ है? इसलिए हम आपके लिए ‘तुम मेरे हो’ लेकर आए हैं। ’ फिल्म ‘तुम मेरे हो’ में ईशा मालवीय के साथ एक्टर गुरमीत चौधरी भी नजर आएंगे। आशीष पांडा के डायरेक्शन में बनी यह म्यूजिकल फिल्म 23 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।



# व्लादिवोस्तोक में भारत-रूस का सैन्य अभ्यास, द्विपक्षीय संबंधों में आई मजबूती

**विश्व केसरी ■**  
**नई दिल्ली।** रूस के व्लादिवोस्तोक में हुए सैन्य अभ्यास 'इंद्र-2026' ने भारत और रूस की दोस्ती को और मजबूत किया है। रविवार को अभ्यास के अंतिम दिन तक भारत और रूस की नौसेनाओं ने अपने कई महत्वपूर्ण मिशन पूरे किए। भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस सह्याद्रि के नौसैनिकों और रूसी नौसेना के कर्मियों ने इस अभ्यास में भाग लिया।

इस आयोजन ने दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच सहयोग और मित्रता के साझा संकल्प को फिर से मजबूत किया है। 18 अक्टूबर को इस द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास इंद्र-2026 का अंतिम दिन रहा। भारतीय नौसेना का जहाज सह्याद्रि 10 अक्टूबर को इस अभ्यास में शामिल होने के लिए रूस के व्लादिवोस्तोक पहुंचा था।

भारतीय नौसेना और रूसी संघ की नौसेना (आरयूपएफएन) के बीच 13



अक्टूबर से अभ्यास शुरू हुआ था। इस दौरान दोनों देशों की नौसेनाओं को पेशेवर एवं परिचालन स्तर पर विचार-विमर्श करने का अवसर मिला। जिससे समुद्री सहयोग और पारस्परिक रूप से एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करने की क्षमता को बढ़ावा मिला है। यहां भारत और रूस की नौसेनाओं

अभ्यास का बंदरगाह चरण पूरा किया गया। बंदरगाह चरण में दोनों देशों के नौसैनिकों ने एक-दूसरे के युद्धपोतों का दौरा किया। इस दौरान उन्हें एक-दूसरे की कार्यप्रणाली को करीब से समझने और पेशेवर अनुभव साझा करने का अवसर मिला। ऐसी गतिविधियां दोनों नौसेनाओं के बीच बेहतर तालमेल और आपसी समझ विकसित करने में अहम भूमिका निभाती हैं।

इस चरण में व्लादिवोस्तोक के उपमहापौर के साथ एक शिष्टाचार बैठक भी आयोजित की गई। इस मुलाकात ने दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच संवाद और आपसी संपर्क को बढ़ावा दिया। 'इंद्र-2026' भारत और रूस के बीच समुद्री सहयोग को आगे बढ़ाने वाला एक महत्वपूर्ण संयुक्त अभ्यास रहा। इसका उद्देश्य दोनों नौसेनाओं के बीच समन्वय, आपसी समझ और समुद्री अभियानों में तालमेल को बेहतर बनाना था।

## दक्षिण कोरिया की प्रधानमंत्री ने प्योंगयांग के साथ बातचीत फिर से शुरू करने पर दिया जोर

**विश्व केसरी ■**  
**सोल।** दक्षिण कोरिया की प्रधानमंत्री हान सियोंग-सूक ने रविवार को कहा कि सरकार सोल और प्योंगयांग के बीच बातचीत फिर से शुरू करने का प्रयास करेगी और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की दिशा में काम करेगी।

सोल में विस्थापित उत्तर कोरियाई नागरिकों के लिए आयोजित एक प्रतियोगिता में शामिल होते हुए, हान ने कहा, 'दक्षिण कोरिया और उत्तर कोरिया के बीच बातचीत के रास्ते खोलने और शांति तथा साझा समृद्धि पर चर्चा करने के प्रयास किए जाएंगे। योन्हाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने दोनों देशों के विभाजन को एक 'हकीकत' बताया और इस बात पर जोर दिया कि विस्थापित नागरिकों और अलग हुए परिवारों का दर्द आज भी 'जाती' है।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'दक्षिण



कोरिया और उत्तर कोरिया के शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व का रास्ता खोलने के हमारे प्रयास रुक नहीं सकते।' उन्होंने प्रतिभागियों से शांति स्थापित करने में सहयोग मांगा और दक्षिण कोरिया के आर्थिक विकास तथा लोकतंत्रीकरण में उनके योगदान के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

8 अक्टूबर को, दक्षिण कोरिया ने संयुक्त राष्ट्र में उत्तर कोरिया से 'जिम्मेदार कदम' उठाने का आग्रह किया। दक्षिण कोरिया ने प्योंगयांग पर 'युद्धविराम समझौते' के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने जानबूझकर एक बारूदी सुरंग बिछाई थी, जिसकी चपेट में आने से पिछले महीने दोनों कोरियाई देशों की सीमा के पास तीन दक्षिण कोरियाई सैनिक घायल हो गए थे।

न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र की एक समिति बैठक के दौरान, संयुक्त राष्ट्र में दक्षिण कोरिया के राजदूत चा जी-हून ने बताया कि दक्षिण कोरियाई सेना और संयुक्त राष्ट्र कमान (यूएनसी) की संयुक्त जांच से पुष्टि हुई है कि 21 सितंबर को हुआ विस्फोट एक बारूदी सुरंग के कारण हुआ था।

## संक्षिप्त खबर सऊदी अरब में हेलीकॉप्टर क्रैश, दो की मौत

**विश्व केसरी ■**  
**रियाद।** यमन के हूती विद्रोहियों से लड़ रहे सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन का कहना है कि उसका एक टोही हेलीकॉप्टर सऊदी अरब के इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें चालक दल के दो सदस्यों की मौत हो गई है। गठबंधन की ओर से एक बयान जारी कर दी थी। रविवार तड़के हूती की ओर से एक और एयरक्राफ्ट को मार बताया कि एएच-6आई टोही हेलीकॉप्टर दक्षिण-पश्चिमी नजरान क्षेत्र में एक 'तकनीकी खराबी' के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया। गठबंधन ने आगे कहा कि 'इस घटना में चालक दल के दो अधिकारियों की जान चली गई।' वहीं, यमन के हूती विद्रोहियों ने दावा किया कि उन्होंने नजरान में सऊदी अरब के एक अपाचे हेलीकॉप्टर को मार गिराया है। शनिवार को हूती आर्मड फोर्स के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सारिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बयान जारी कर इसकी जानकारी दी थी। रविवार तड़के हूती की ओर से एक और एयरक्राफ्ट को मार गिराने का दावा किया गया है। सारिया ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि हमारे सशस्त्र बलों ने सऊदी दुश्मन के एक सशस्त्र 'करार' टोही विमान को मार गिराया। यह विमान होदेइदाह गवर्नरेट के हवाई क्षेत्र से गुजर रहा था।



## तमिलनाडु में 137 किलो क्रिस्टल मेथ जब्त, चार गिरफ्तार

**विश्व केसरी ■**  
**नई दिल्ली।** राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने तमिलनाडु के नागपट्टिनम जिले के एक तटीय गांव से 137 किलोग्राम क्रिस्टल मेथामफेटामाइन (मेथ) जब्त किया है। अवैध मादक पदार्थों के बाजार में इसकी कीमत 100 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है। इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी इस खेप को समुद्र के बीच से दूसरे जहाज या नाव में स्थानांतरित कर श्रीलंका तकरी करने की फिराक में थे। डीआरआई ने 16 और 17 अक्टूबर 2026 को मिली लिफ्ट खुफिया जानकारी के आधार पर निगरानी और कार्रवाई की। जांच के दौरान नागपट्टिनम जिले के तटीय इलाके में मादक पदार्थों की एक बड़ी खेप छिपाकर रखे जाने का पता चला। इसके बाद अधिकारियों ने संबंधित स्थान पर तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान छह डफेल बैग बरामद किए गए, जिनमें चांदी की पन्नी में लिपटे 27 पैकेट रखे हुए थे। प्रत्येक पैकेट का वजन लगभग पांच किलोग्राम था। इनमें सफेद क्रिस्टल जैसा पदार्थ मिला, जिसे उच्च शुद्धता वाला मेथामफेटामाइन होने का संदेह है। कुल जब्त खेप का सकल वजन 137 किलोग्राम बताया गया है। डीआरआई ने मादक पदार्थों की स्वापक औषधि और मन:प्राभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस), 1985 के प्रावधानों के तहत जब्त किया। कार्रवाई के दौरान संदिग्ध नेटवर्क के कथित संचालक के ठिकाने पर भी तलाशी ली गई। वहां से 10 लाख रुपये नकद बरामद किए गए, जिनके मादक पदार्थों की बिक्री से प्राप्त रकम होने का संदेह है।



## विदेशी नागरिक का भारत के आंतरिक मामलों में दखल देना स्वीकार्य नहीं: चिराग पासवान

**विश्व केसरी ■**  
**पटना।** केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा पंडाल हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। उन्होंने अभिनेता इमरान खान के निर्वासन नोटिस और बिहार के राजनीतिक घटनाक्रम पर भी प्रतिक्रिया दी।

अभिनेता इमरान खान द्वारा भारत छोड़ने के निर्देश वाले नोटिस को चुनौती देते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाने पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा, 'भारतीय नागरिकों को देश के भीतर रहते हुए भारत से जुड़े मामलों में अपनी भूमिका निभाने पर कोई आपत्ति नहीं है। मैंने हमेशा शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों का समर्थन किया है।

हालांकि, जो व्यक्ति भारतीय नागरिक नहीं है, उसका भारत के आंतरिक मामलों में दखल देना गलत है। जो भारतीय नागरिक नहीं हैं, उनका देश में हो रहे प्रदर्शन में शामिल होना, खासकर जब ऐसी चिंताएं बढ़ रही हों कि इन घटनाओं के पीछे विदेशी ताकतों का हाथ हो सकता है, बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। कोलकाता के दुर्गा पूजा पंडाल में



मची भगदड़ की घटना पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा, 'यह एक दुखद घटना है। बंगाल में पंडाल में हुई भगदड़ में कई लोगों की जान चली गई है, जो बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है और कई अन्य लोग घायल हुए हैं। मुझे जानकारी मिली है कि मुख्यमंत्री खुद इस घटना की विस्तृत समीक्षा और निगरानी कर रहे हैं। मैं सभी घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ और ईश्वर से कामना करता हूँ कि वे दिवंगत आत्माओं को शांति दें और उनके शोक संतप्त परिवारों को इस दुख को सहने की शक्ति प्रदान करें।' राधोपुर में गंगा नदी पार करते समय नाव पलटने से 13 लोगों की मौत पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा, 'मैं इस मुद्दे पर बिल्कुल भी राजनीति नहीं करना चाहता।

## 5वीं बटालियन मणिपुर राइफल्स को 2026 के लिए 'दूसरी सर्वश्रेष्ठ बटालियन' चुना गया

**विश्व केसरी ■**  
**इंफाल।** तामेंगलोंग के खोंगजारोन स्थित 5वीं बटालियन मणिपुर राइफल्स को मणिपुर पुलिस विभाग की ओर से 2026 के लिए 'दूसरी सर्वश्रेष्ठ बटालियन' के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान मणिपुर राइफल्स और इंडिया रिजर्व बटालियनों के निरीक्षण के दौरान उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए दिया गया है।

मणिपुर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) की ओर से 17 अक्टूबर को जारी आदेश के अनुसार, यह पुरस्कार एक स्क्रीनिंग कमेटी की सिफारिश पर घोषित किया गया। इस कमेटी का गठन 'सर्वश्रेष्ठ बटालियन', 'दूसरी सर्वश्रेष्ठ बटालियन' और 'तीसरी सर्वश्रेष्ठ बटालियन' के लिए डीजीपी ट्रॉफी देने के लिए बटालियनों का निरीक्षण करने के लिए किया गया था।

तामेंगलोंग के खोंगजारोन स्थित 5वीं बटालियन मणिपुर राइफल्स



को दूसरा स्थान मिला है। इस पुरस्कार को लोइतांग खुनी स्थित चौथी इंडिया रिजर्व बटालियन के साथ साझा किया गया है, जिसे भी 2026 के लिए 'दूसरी सर्वश्रेष्ठ बटालियन' घोषित किया गया है।

इंफाल स्थित दूसरी बटालियन मणिपुर राइफल्स को 2026 की 'सर्वश्रेष्ठ बटालियन' के लिए डीजीपी ट्रॉफी दी गई जबकि 10वीं इंडिया रिजर्व बटालियन को 'तीसरी सर्वश्रेष्ठ बटालियन' चुना गया। आदेश में यह भी बताया गया है कि 19 अक्टूबर को 'मणिपुर पुलिस

## यूपी में किसानों के बच्चों पर सरकार का फोकस, छात्रवृत्ति की सीटें दोगुनी

**विश्व केसरी ■**  
**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश में किसानों और खेतिहर मजदूरों के मेधावी बच्चों को उच्च कृषि शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री कृषक छात्रवृत्ति योजना का दायरा बढ़ा दिया गया है। राज्य सरकार ने योजना के तहत छात्रवृत्ति की निर्धारित सीटें दोगुनी करने के साथ ही मासिक सहायता राशि भी तीन हजार से बढ़ाकर पांच हजार रुपये कर दी है। इसके बाद पात्र विद्यार्थियों की अब सालाना 36 हजार रुपये के बजाय 60 हजार रुपये की छात्रवृत्ति मिलेगी।

राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद की इस योजना के तहत अब प्रत्येक कृषि विश्वविद्यालय एवं कृषि संस्थान में 45 के स्थान पर 90 विद्यार्थियों तथा प्रत्येक कृषि महाविद्यालय में 15 के स्थान पर 30 विद्यार्थियों को मेरिट के आधार पर छात्रवृत्ति दी जाएगी। सीटों की



संख्या बढ़ने से आर्थिक रूप से कमजोर किसान परिवारों के अधिक मेधावी विद्यार्थियों को कृषि शिक्षा हासिल करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

मंडी परिषद के मुताबिक, प्रदेश के 11 कृषि विश्वविद्यालयों एवं कृषि संस्थानों और 61 कृषि महाविद्यालयों में अध्ययनरत पात्र विद्यार्थियों को इस योजना का लाभ दिया जा रहा है। सीटों की संख्या दोगुनी होने के बाद छात्रवृत्ति की कुल निर्धारित संख्या 1,410 से बढ़कर 2,820 हो गई है। योजना के तहत छात्रवृत्ति की मासिक राशि

तीन हजार से बढ़ाकर पांच हजार रुपये कर दी गई है। इस तरह प्रत्येक चयनित विद्यार्थी को अब सालाना 60 हजार रुपये मिलेंगे, जो पहले 36 हजार रुपये थे। यानी विद्यार्थियों को एक वर्ष में 24 हजार रुपये की अतिरिक्त आर्थिक सहायता मिलेगी।

छात्रवृत्ति की बढ़ी हुई राशि से विद्यार्थियों को पढ़ाई से जुड़े खर्चों को पूरा करने में सहायता मिलेगी। इसके साथ ही कृषि, उद्यान, वानिकी और पशुपालन जैसे क्षेत्रों में उच्च शिक्षा हासिल करने वाले युवाओं के लिए भी योजना उपयोगी होगी।

## ताजिकिस्तान में एससीओ की बैठक, राजनाथ सिंह करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

**विश्व केसरी ■**  
**नई दिल्ली।** ताजिकिस्तान की राजधानी दुशान्बे में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक आयोजित होने जा रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ताजिकिस्तान में इस बैठक के दौरान भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह एससीओ की शासनाध्यक्ष परिषद की 25वीं बैठक है। रक्षामंत्री 19 और 20 अक्टूबर को इसमें शामिल होने के लिए दुशान्बे में रहेंगे।

रक्षामंत्रालय यह भी कहना है कि इस बैठक का उद्देश्य सदस्य देशों के बीच बहुपक्षीय

सहयोग को आगे बढ़ाना और विभिन्न क्षेत्रों में जारी पहलों को मॉस्को में हुई थी।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, व्यापार से लेकर नवाचार तक इस महत्वपूर्ण बैठक में एससीओ सदस्य देशों के बीच व्यापार, अर्थव्यवस्था, निवेश, संपर्क, नवाचार और सांस्कृतिक सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा होगी। इसके साथ ही संगठन के वित्तीय और संस्थागत कामकाज से जुड़े फैसलों पर भी विचार किया जाएगा। दुशान्बे में होने वाली इस बैठक में भारत को एससीओ के अन्य सदस्य देशों के साथ क्षेत्रीय सहयोग से जुड़े मुद्दों पर विचार साझा करने का अवसर मिलेगा। चर्चा का प्रमुख उद्देश्य ऐसे व्यावहारिक कदमों को आगे बढ़ाना होगा, जिनसे सभी सदस्य देशों को लाभ मिल सके।

गौरतलब है कि भारत एससीओ के विभिन्न तंत्रों में सक्रिय रूप से भाग लेता रहा है। संगठन के माध्यम से भारत स्टार्टअप, नवाचार, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और लोगों के बीच आपसी संपर्क बढ़ाने जैसी पहलों में योगदान दे रहा है। आगामी बैठक में इन बढ़ाने के रास्तों पर भी विचार होने की उम्मीद है।

दरअसल यह एक अंतरराष्ट्रीय मंच है और भारत इसका महत्वपूर्ण सदस्य है।



जापान में एशियन पैरा गेम्स 2026 का आगाज, सम्राट नारुहितो ने बढ़ाया खिलाड़ियों का उत्साह

**विश्व केसरी ■**  
**नागोया।** जापान के सम्राट नारुहितो ने रविवार को एशियन पैरा गेम्स के पांचवें संस्करण की आधिकारिक शुरुआत की घोषणा की। इसके साथ ही आइची-नागोया के मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में इस महाद्वीपीय खेल आयोजन का आगाज हो गया। 24 अक्टूबर तक चलने वाले इन खेलों में 45 देशों के करीब 3,000 एथलीट्स हिस्सा ले रहे हैं। इन खेलों का आदर्श वाक्य 'इमेजिन वन हार्ट' (एक दिल की कल्पना करें) है।

हालाँकि, समारोह के जरिए प्रतियोगिता की औपचारिक शुरुआत हुई, लेकिन कई इवेंट्स पहले ही शुरू हो चुके थे। शुक्रवार को जापान ने पुरुषों और महिलाओं की व्हीलचेयर बास्केटबॉल प्रतियोगिताओं के शुरुआती राउंड में जीत दर्ज की। वहीं, शनिवार को भारत की पुरुष और महिला गोलबॉल टीमों ने क्रमशः कतर और थाईलैंड के खिलाफ जीत हासिल की। 'पेरेंड ऑफ नेशंस' (देशों की परेंड) के दौरान भारतीय दल आकर्षण का केंद्र रहा। पैरा-बैडमिंटन स्टार प्रमोद भगत और पैरा-एथलीट



सिमरन शर्मा ने देश के ध्वज-वाहक के रूप में तिरंगा धाम रखा था। नागोया के पालोमा मिजुहो स्टेडियम में आयोजित इस समारोह में इन दोनों ने भारतीय दल का नेतृत्व किया। भारतीय दल की पोशाक भी काफी खास रही। सभी सदस्यों ने गहरे नीले रंग के ब्लेजर पहने थे, जिन पर सिंधु घाटी सभ्यता से प्रेरित सुनहरे डिजाइन बने हुए थे। इन डिजाइन में प्रसिद्ध 'प्रोस्ट-किंग' (पुरोहित-राजा) की मूर्ति और 'डॉसिंग गर्ल' (नर्तकी) की आकृति के साथ-साथ प्राचीन मुहरें भी शामिल थीं, जो उस सभ्यता के विशिष्ट प्रतीकों और लिपि को दर्शाती हैं। ब्लेजर की जेब पर, यानी दिल के पास, भारत का तिरंगा लगा था, जबकि कॉलर पर 'सप्तसिंधु' को सम्मान दिया गया था। भारतीय दल में कुल 281 सदस्य शामिल हैं, जिनमें 168 खिलाड़ी (112 पुरुष और 56 महिलाएँ) हैं, जो 11 अलग-अलग खेलों में हिस्सा लेंगे। भारत अपने पिछले प्रदर्शन को और बेहतर बनाने की कोशिश करेगा, जहां खिलाड़ी कई पैरा-स्पोर्ट्स में पदक जीतने के लिए अपना जोर लगाएंगे।

‘कभी-कभी आपको इंतजार करना पड़ता है’,  
वैभव को मौका न मिलने पर बोले कप्तान अय्यर

**विश्व केसरी ■**  
**बेंगलुरु।** भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेली गई 5 टी20 मैचों की सीरीज में युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने वैभव को मौका नहीं मिलने की वजह बताई है। बेंगलुरु में शनिवार को बारिश की वजह से पांचवां टी20 धुलने के बाद वैभव को सीरीज में मौका नहीं मिलने पर अपनी राय रखते हुए अय्यर ने कहा कि संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा और ईशान किशन के टॉप-3 में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने की वजह से वैभव को मौका नहीं मिला। अय्यर ने कहा, 'मुझे पता है कि उसके दिमाग में क्या चल रहा होगा, खासकर जबरदस्त आईपीएल सीजन के बाद। लेकिन आपको कभी-कभी इंतजार

करना पड़ता है। हमारे पास दो शानदार ओपनर हैं, जो लगातार रन बना रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं बस उससे कहता रहता हूं, तुम्हें मौका मिलेगा। सैमसन और अभिषेक ने हमारे लिए विश्व कप जीता है। वे लगातार रन बना रहे हैं। अगर आप अपने प्रोसेस में निरंतरता बनाए रखते हैं और आपका माइंडसेट थोड़ा हल्का है, तो अभी मौका मिलने के बारे में ज्यादा न सोचें। सूर्यवंशी ने 4 जुलाई को मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ सीनियर इंडिया के लिए डेब्यू किया। उन्होंने उस सीरीज में तीन मैचों में साधारण प्रदर्शन किया। जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में वैभव का प्रदर्शन अच्छा रहा था। तीन मैचों में 2 अर्धशतकों के साथ 151 रन बनाकर वह प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे थे।

इसके बाद अफगानिस्तान सीरीज में उन्हें मौका नहीं मिला था। एशियन गेम्स में श्रीलंका के खिलाफ 21 गेंदों पर 38 और फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ नौ गेंदों पर 15 रन उनके बल्ले से निकले। इसके बाद वैभव को अपने आगले मौके का इंतजार है। वैभव को भारतीय टीम के साथ 5 टी20 मैचों की सीरीज के लिए न्यूजीलैंड दौरे पर जाना है। यह सीरीज 22 अक्टूबर से शुरू हो रही है। देखना मैचों में 2 अर्धशतकों के साथ 151 रन बनाकर वह प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे थे। मिलता है या नहीं।



वेदांता हाफ मैराथन: माताता ने तोड़ा कोर्स  
रिकॉर्ड, एलेमू ने जीता महिलाओं का खिताब



**विश्व केसरी ■**  
**नई दिल्ली।** रविवार को वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन 2026 में केन्या के चार्ल्स माताता ने पुरुषों की एलीट रेस में कोर्स रिकॉर्ड तोड़ दिया। उन्होंने 58:52 का समय निकाला, जो पिछले रिकॉर्ड से एक सेकंड कम था। महिलाओं

की एलीट कैटेगरी में इथियोपिया की वुदिनेश एलेमू ने 1:06:35 के समय के साथ खिताब अपने नाम किया। 'वर्ल्ड एथलेटिक्स गोल्ड लेबल' इवेंट के लिए राष्ट्रीय राजधानी की सड़कों पर लगभग 40,000 धावक उतरे। माताता का यह प्रदर्शन उनका

अब तक का सर्वश्रेष्ठ (पर्सनल बेस्ट) भी रहा, जो पुरुषों की रेस में उनके दबदबे को दिखाता है। केन्या के ही सैमवेल न्यामाई माइलू और स्टेनली वैथाका म्बुरु क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे, जिससे पोंडियम पर पूरी तरह से केन्याई धावकों का कब्जा रहा। महिलाओं की एलीट कैटेगरी में एलेमू ने अपनी ही देश की सेला बुसिनेई को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया, जबकि केन्या की सिंथिया चेलंगात चेपक्वोनी तीसरे स्थान पर रहीं। भारत के शैलेश कुशवाहा और अंकिता ध्यानी ने वेदांता हाफ मैराथन की 'भारतीय एलीट' श्रेणी में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग का खिताब अपने नाम किया।

ऑस्ट्रेलिया ने पहले टी20 में  
न्यूजीलैंड को 2 विकेट से हराया



**विश्व केसरी ■**  
**सिडनी।** ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम ने पहले टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में न्यूजीलैंड को 2 विकेट से हराया। नॉर्थ सिडनी ओवल के मैदान पर न्यूजीलैंड से मिले 163 रनों के लक्ष्य को ऑस्ट्रेलिया ने 18.5 ओवर में 8 विकेट खोकर हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। जॉर्जिया वोल बिना खाता खोले पवेलियन लौटीं। हालाँकि, इसके बाद बेथ मूनी और एलिसा पेरी ने मोर्चा संभाला। दोनों ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 48 गेंदों में 86 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी निभाई। मूनी ने 25 गेंदों

में 6 चौके की मदद से 38 रन बनाए। वहीं, पेरी ने 30 गेंदों का सामना करते हुए 52 रनों की आतिशी पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान पेरी ने 9 चौके लगाए। हब्रहवालांकि, पेरी के आउट होने के बाद ऑस्ट्रेलिया टीम का बल्लेबाजी क्रम बुरी तरह से लड़खड़ा गया। 102 के स्कोर पर तीसरा विकेट गंवाने के बाद 159 तक पहुंचते-पहुंचते ऑस्ट्रेलिया ने अपने 8 विकेट खो दिए। एश्ले गार्डिनर 17 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुई, तो जॉर्जिया वेयरहेम 10 रन ही बना सकीं। वहीं, एनाबेल सदरलैंड 9 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। निकोला केरी 3 रन बनाकर रनआउट हुई।

त्रिकोणीय सीरीज: इरविन, टेलर और इवांस का  
कमाल, जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश को 99 रन से हराया

**विश्व केसरी ■**  
**अबू धाबी।** जिम्बाब्वे ने यूएई में खेली जा रही वनडे त्रिकोणीय सीरीज की शुरुआत जीत के साथ की है। शनिवार को शेख जाएद स्टेडियम में खेले गए दूरांमंट के पहले मुकाबले में जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश को 99 रन के बड़े अंतर से हराया।



आउट हुए।

ऋण इरविन शतक से चूक गए। इरविन 106 गेंदों पर 9 चौकों की मदद से 93 रन बनाकर आउट हुए। दोनों के साथ सिकंदर रजा (4), मधेवरे (17) और ब्रैंड इवांस (5) का विकेट भी जल्दी गिर गया। जिम्बाब्वे ने अपने 8 विकेट 234 रन पर खो दिए। न्युमैन न्यामहुरी ने 17 गेंदों पर 21 और वेलिंगटन मसाकादजा ने 15 गेंदों पर नाबाद 21 रन बनाकर

जिम्बाब्वे का स्कोर 50 ओवर में 8 विकेट पर 271 रन तक पहुंचाया। बांग्लादेश के लिए तस्कीन अहमद ने 3, शोरिफुल इस्लाम और सैफ हसन ने 2-2 विकेट लिए। रिशाद हुसैन को 1 विकेट मिला। 272 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी बांग्लादेश की टीम 33.4 ओवर में 172 रन पर सिमट गई और 99 रन से मुकाबला हार गई। बांग्लादेश के लिए तंजीद हसन ने सर्वाधिक 46 रन बनाए। इसके

अलावा, सैफ हसन ने 26 और रिशाद हुसैन ने 23 रन बनाए। जिम्बाब्वे के लिए ब्रैंड इवांस ने शानदार गेंदबाजी की और 6.4 ओवर में 45 रन देकर 4 विकेट लिए। इसके अलावा, कप्तान सिकंदर रजा और वेलिंगटन मसाकादजा ने 2-2 विकेट लिए। ब्लेसिंग मुजारबानी और न्यामहुरी को 1-1 विकेट मिला। ऋण इरविन को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

एमएलएस: मेसी के दो गोल की बदौलत इंटर  
मियामी ने अटलांटा यूनाइटेड को 3-1 से हराया



**विश्व केसरी ■**  
**अटलांटा।** कप्तान लियोनेल मेसी के दो गोल और जर्मन बर्टराम के एक गोल की मदद से इंटर मियामी ने अटलांटा यूनाइटेड एफसी को 3-1 से हराया। यह जीत एमएलएस सीजन में टीम की लगातार तीसरी जीत है। मैच की बात करें तो शुरुआती मिनटों में मुकाबला बराबरी का था, फिर इंटर मियामी ने बढ़त बना ली। मेसी 41वें मिनट में फ्री-किक से गोल करने के करीब थे, जिसे अंततः अटलांटा के गोलकीपर ने टॉप-राइट कॉर्नर पर बचा लिया। इसके बाद बर्टराम ने 45वें मिनट में ब्रेक से पहले इंटर मियामी को बढ़त दिलाई। उन्होंने सुआरेज की ओर से मिले एक

सटीक क्रॉस का फायदा उठाते हुए पेनल्टी एरिया के अंदर से हेड के जरिए गोल किया। इसके अलावा, मेसी ने इस प्ले में एक सेकेंडरी असिस्ट भी किया, जिससे उन्होंने लीग का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस रेगुलर सीजन में उन्होंने 15 असिस्ट किए। वह एमएलएस के इतिहास में लगातार तीन सीजन में कम से कम 15 असिस्ट करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। दूसरे हाफ की शुरुआत में इंटर मियामी ने 56वें मिनट में अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। मेसी ने दाईं ओर से गेंद ली और विरोधी टीम के पिच के तीसरे हिस्से के सेंटर में चले गए, जहां उन्होंने बर्टराम के साथ मिलकर तेजी से गोल किया।

वॉलीबॉल चैंपियंस लीग: हरियाणा हरिकेन्स,  
अयोध्या गर्जन ने सेमीफाइनल में जगह बनाई

**विश्व केसरी ■**  
**नोएडा।** हरियाणा हरिकेन्स ने वॉलीबॉल चैंपियंस लीग (वीएसएल) में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए, शनिवार को नोएडा इंडोर स्टेडियम में सुपर 6 मैच में एम्पेरिया मराठा को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। पहला सेट 18-21 से हारने के बाद हरियाणा को शुरुआती झटके से उबरना पड़ा। हालाँकि, हरिकेन्स ने जोरदार जवाब दिया और अपने खेल का लेवल बढ़ाते हुए दूसरा सेट 21-16 से जीतकर मुकाबला बराबर कर दिया। हरियाणा ने अपनी लय को बनाए रखा और तीसरा सेट 21-13 से जीतकर मैच अपने नाम किया। इस जीत से हरियाणा ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। चिराग यादव ने हरियाणा के लिए अपना शानदार फॉर्म जारी रखा और जीत में उनके योगदान के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उनके टीममेट चेतन को इम्पैक्ट प्लेयर चुना गया। मैच के बाद चिराग यादव ने कहा, 'यह मैच जीतकर और हरियाणा हरिकेन्स को सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने में



मदद करके बहुत अच्छा लग रहा है। एम्पेरिया मराठाज ने जबरदस्त शुरुआत की और पहला सेट जीत लिया, लेकिन हम सकारात्मक रहे और अपने प्लान पर फोकस किया।' उन्होंने कहा, 'हम जानते थे कि हमें

हम सेमीफाइनल पर फोकस करेंगे और इस जीत के सिलसिले को जारी रखने के लिए अपना बेस्ट देंगे।' इस बीच, अयोध्या गर्जन ने सुपर 6 मैच में दिल्ली डायनामाइट्स को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। अयोध्या ने पूरे मैच में अपना दबदबा बनाए रखा, तीनों सेट 21-12, 21-17 और 21-17 से जीते। टीम ने पूरे मैच में अपना दबदबा बनाए रखा। दिल्ली ने दूसरे और तीसरे सेट में अयोध्या को चुनौती देने की कोशिश की, लेकिन गर्जन ने अहम मौकों पर अपनी विरोधी टीम को वापसी करने से रोकने के लिए मजबूती दिखाई। इस जीत ने अयोध्या के मजबूत फॉर्म को और दिखाया क्योंकि वे नॉकआउट स्टेज में पहुंच गए। केएम फासिल को जीत में उनके योगदान के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जबकि उनके टीममेट प्रिंस को इम्पैक्ट प्लेयर का अवार्ड मिला। मैच के बाद फासिल ने कहा, 'हम एक साफ प्लान के साथ मैच में आए थे और तीनों सेट में इसे अच्छी तरह से लागू करने पर ध्यान दिया।

स्वर्ण पदक जीतने वाले गौरव और शिल्पी हुए सम्मानित

**विश्व केसरी ■**  
**नई दिल्ली।** देशभर में नवरात्रि की धूम है। नवरात्रि से ठीक पहले भारत के एथलीटों ने जापान के आइची-नागोया में खेले गए एशियन गेम्स 2026 में अलग-अलग विधाओं में दमदार प्रदर्शन करते हुए देश के लिए पदक जीते थे। नवरात्रि के अवसर पर बने पंडालों और रामलीला कार्यक्रमों के बीच एशियन गेम्स में देश के लिए पदक जीतने वालों का सम्मान किया जा रहा है।



दिल्ली के नरेला की ऐतिहासिक सुभाष रामलीला में एशियन गेम्स में कबड्डी में गोल्ड मेडल जीतने वाली पुरुष टीम के सदस्य गौरव खत्री और महिला हॉकी में गोल्ड मेडल जीतने वाली टीम की सदस्य शिल्पी डबास को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर गौरव खत्री ने आईएनएस से कहा, 'मैं देश के लिए गोल्ड मेडल लाया हूं, इसलिए मेरे परिवार, रिश्तेदारों और गांव वालों को बहुत गर्व है। इतना सम्मान और इज्जत पाकर बहुत अच्छा लग रहा है। शिल्पी डबास ने आईएनएस से कहा,

'हमें बुलाने और सम्मान देने के लिए मैं सभी को धन्यवाद देना चाहूंगी। हम गोल्ड मेडल घर लाकर बहुत खुश हैं। सब कुछ बहुत बढ़िया है। हमें हर जगह से तारीफ मिल रही है, जो और भी अच्छा लग रहा है। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय पुरुष और महिला कबड्डी और हॉकी टीमों का प्रदर्शन यादगार और सुनहरा रहा। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला और पुरुष दोनों कबड्डी टीमों ने फाइनल मुकाबले में ईरान को हराकर स्वर्ण पदक जीता था। वहीं, भारतीय महिला हॉकी टीम ने चीन को 1-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता था, जबकि पुरुष हॉकी टीम ने मलेशिया को 5-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों ने एशियन गेम्स 2026 में स्वर्ण पदक जीता था। पुरुष टीम ने पाकिस्तान को, जबकि महिला टीम ने श्रीलंका को हराकर स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय दल ने एशियन गेम्स 2026 में कुल 85 पदक जीते। इसमें 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदक थे।



# RAIPUR

# SMART BUSINESS

## GST ITR

## फाइल बनवाएं मात्र 500/-

**25 वर्ष का अनुभव**

- CMA Data • Balance Sheet • प्रोजेक्टर रिपोर्ट
- फूड लाइसेंस • Income Tax Audit • TDS रिफंड

**हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार हैं।**

संपर्क: **शेखर गुप्ता** RIFCO Tax Consultants

C-74, सेक्टर- 1, जुबैस्ता हॉस्पिटल के पास, देवेन्द्र नगर, रायपुर

Whatsaap पर बनवाएं **9300755544, 8878655544**



